राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 54 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, बुधवार ,25 अगस्त 2021 , मूल्य रु. 1.50

एक नजर...

ब्रिक्स देशों की बैठक में शामिल हुए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल मंगलवार को ब्रिक्स देशों के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों की डिजिटल माध्यम से हुई बैठक में शामिल हुए। इस मामले से परिचित लोगों ने कहा कि बैठक में रूसी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जनरल पेत्रुशेव, चीनी पोलित ब्यूरो के सदस्य यांग जेइची, ब्राजील के सुरक्षा अधिकारी जनरल ऑगस्टो हेलेना रिबेरो परेरा और दक्षिण अफ्रीका के उप राज्य सुरक्षा मंत्री नसेडिसो गुडएनफ कोडवा ने भाग लिया।

राणे अपने संस्कार के मुताबिक कर रहे हैं आचरण: शरद पवार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि केंद्रीय मंत्री नारायण राणे अपने संस्कार के मुताबिक आचरण कर रहे हैं। राणे को आज दिन में उनके इस बयान को लेकर गिरफ्तार किया गया है कि अगर वह वहां होते तो भारत की आजादी को कितने साल हुए हैं यह भूल जाने को लेकर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को थप्पड़ जड़ देते। पवार से जब उनकी प्रतिक्रिया मांगी गई तब उन्होंने कहा, मैं इस विषय में नहीं जाना चाहता। वह अपने संस्कारों के मुताबिक आचरण कर रहे हैं। राकांपा प्रमुख ने कहा, मैं इस मुद्दे को कोई अहमियत नहीं देता।

ठाकरे के खिलाफ टिप्पणी के लिए राणे की गिरफ्तारी गलत : आठवले

नागपुर। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने मंगलवार को कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी के लिए मंत्रिमंडल में सहयोगी और भाजपा नेता नारायण राणे की गिरफ्तारी गलत है। उन्होंने कहा कि इसी तरह के बयान शिवसेना ने दूसरे के खिलाफ दिए हैं लेकिन उसके खिलाफ ऐसी कार्वाई नहीं हुई है। राणे ने दावा किया था कि स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अपने संबोधन में ठाकरे यह भूल गए कि देश की आजादी को कितने साल हुए हैं। इसी संदर्भ में उन्होंने कथित विवादित बयान दिया था। इसको लेकर राणे को मंगलवार दोपहर गिरफ्तार किया गया, जिससे महाराष्ट्र की राजनीति में भूचाल आ गया है। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री आठवले ने नागपुर में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राणे ने उसी तरह की भाषा का इस्तेमाल किया है, जिसका इस्तेमाल ठाकरे नीत शिवसेना करती हैं। जब पुलिस कार्वाई के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, शिवसेना ने भी कई बार इस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया है ।

सीएम ठाकरे को थप्पड़ वाला बयान

केंद्रीय मंत्री नारायण राणे गिरफ्तार

■ मुंबई

केंद्रीय मंत्री नारायण राणे को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को थप्पड़ मारने वाली उनकी विवादास्पद टिप्पणी के लिए मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद राणे को रायगढ़ जिले के महाड ले जाया गया जहां उन्हें अदालत में पेश किए जाने की संभावना है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता राणे की विवादास्पद टिप्पणी के खिलाफ रायगढ़ जिले के महाड के साथ-साथ नासिक और पुणे में मामले दर्ज किए गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री राणे की टिप्पणी के बाद राज्य में सत्तारूढ़ दल शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने व्यापक विरोध प्रदर्शन किया है। राणे ने दावा किया था कि स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अपने संबोधन में ठाकरे यह भूल गए कि देश की आजादी को कितने साल हुए हैं। राणे ने रायगढ़ जिले में सोमवार को जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान कहा था, यह शर्मनाक है कि मुख्यमंत्री को यह नहीं पता कि आजादी को कितने साल हो गए हैं। भाषण के दौरान वह पीछे मुड़कर इस बारे में पूछते नजर आए थे। अगर मैं वहां होता तो उन्हें एक जोरदार थप्पड़ मारता। राणे को जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान रत्नागिरि जिले के गोलवली में हिरासत में लिया गया और पहले संगमेश्वर थाने ले जाया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि नासिक पुलिस की एक टीम भी उन्हें हिरासत में लेने के लिए निकली थी, लेकिन मुंबई से 160 किलोमीटर दूर महाड में दर्ज प्राथमिकी के सिलसिले में राणे को दोपहर करीब पौने तीन बजे रायगढ़ पुलिस के हवाले कर दिया गया।

शिवसेना कार्यकर्ताओं ने शहरों में प्रदर्शन किया

महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे के खिलाफ केंद्रीय मंत्री नारायण राणे की टिप्पणी के बाद मुंबई और कई अन्य शहरों में शिवसेना ने जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया। शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने कुछ क्षेत्रों में पथराव किया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यालयों में तोड़फोड़ भी की।

तालिबान पर क्या है भारत का रुख़

चीन-पाकिस्तान-रूस की तिगड़ी ने पेश की बड़ी चुनौती

एजेंसी ■ काबुल

अफगानिस्तान में तालिबान के प्रभुत्व के साथ यह सवाल उठने लगे हैं कि भारत की क्या रणनीति होनी चाहिए। तालिबान के साथ भारत का रुख कैसा रहेगा। अफगानिस्तान में भारत के समक्ष क?या बड़ी चुनौती हैं। अफगानिस्तान को लेकर पाकिस्तान, चीन और रूस की रणनीति से भारत की चिंता क्यों बढ़ गई है। अफगानिस्तान में किस तरह के समीकरण बन रहे हैं। इस नए समीकरण में भारत के समक्ष किस तरह की नई चुनौती खड़ी होगी। आखिर इस सब मुद्दों पर क?या कहते हैं विशेषज्ञ।

प्रो. हर्ष पंत का कहना है कि फिलहाल तालिबान को लेकर भारत ने जो रुख अपनाया है, वह बिल्कुल सही है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में हालात तेजी से बदल रहे हैं। पानी के स्थिर होने तक भारत को सब्र के साथ ही काम लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि फिलहाल अफगानिस्तान के पूरे घटनाक्रम पर भारत की पैनी नजर होगी। पंत ने जोर देकर कहा कि तालिबान अब 1990 के दशक का तालिबान नहीं रहा। अफगानिस्तान में तालिबान की दूसरी पारी का स्वरूप बदला हुआ है। रूस, पाकिस्तान और चीन ने तालिबान के साथ जो रुख अपनाया है, उससे उसका वैश्वीकरण हो गया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सैनिकों की वापसी के साथ तीनों मुल्क तालिबान के साथ दिख रहे हैं। अमेरिकी विरोध के चलते तीनों देश तालिबान के करीब आए हैं। यह स्थिति भारत के लिए कतई शुभ नहीं है। हालांकि पंत का मानना है कि भविष्य में भारत रूस के जरिए अफगानिस्तान में अपने हितों को साध सकता है।

तालिबान के रुख में बहुत बदलाव आया है

उन्होंने कहा कि पूर्व का तालिबान पूरी तरह से पाकिस्तान के नियंत्रण में रहा है, लेकिन इस बार उसके रुख में बहुत बदलाव आया है। सत्ता हासिल करने के पहले तालिबान यह कह चुका है कि उसके जमीन का इस्तेमाल किसी अन्य देश के खिलाफ नहीं किया जा सकता है। उसने यह साफ कर दिया कि अफगानिस्तान की जमीन से किसी आतंकवादी संगठन का संचालन नहीं होगा। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि तालिबान की कथनी और करनी में कितना फर्क है।

रेलवे परियोजना: कोर्ट का गुजरात में झुग्गियां तोड़ने पर यथास्थिति का आदेश

■ नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने गुजरात में रेलवे लाइन परियोजना के लिए करीब 5,000 झुग्गियों को तोड़े जाने पर मंगलवार को यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया। प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण और न्यायमूर्ति सूर्यकांत की पीठ ने मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने के लिए उल्लेख किए जाने के बाद यह आदेश पारित किया। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कॉलिन गोंजाल्विस ने पीठ को बताया कि गुजरात उच्च न्यायालय के 19 अगस्त के आदेश के अनुपालन में अधिकारी मंगलवार को ही तोड़-फोड़ की कार्वाई शुरू करने जा रहे थे। उच्च न्यायालय ने 10,000 से अधिक झुग्गिवासियों को हटाने का निर्देश दिया था। पीठ ने अपने आदेश में कहा, मामले को 25 अगस्त, 2021 को एक उपयुक्त पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करें। 25 अगस्त, 2021 तक संबंधित अधिकारियों को यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया जाता है। गोंजाल्विस ने पीठ को बताया कि उच्च न्यायालय ने 23 जुलाई 2014 का यथास्थिति का अपना अंतरिम आदेश रद्द कर दिया था और पश्चिम रेलवे को सूरत-उधना से लेकर जलगांव की तीसरी रेलवे लाइन परियोजना को आगे बढ़ाने की अनुमति दी थी। सूरत के उतरन से बेस्थन रेलवे झोपड़पट्टी विकास मंडल द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि अगर झुग्गी-बस्ती में रहने वालों को वैकल्पिक व्यवस्था प्रदान नहीं की जाती है तो उन्हें अपूरणीय क्षति होगी जोकि रेलवे की जमीन पर रह रहे हैं। याचिका में कहा गया कि अगर उन्हें बेघर किया जाता है तो खास तौर से कोविड महामारी के दौरान उनकी स्थिति और अधिक दयनीय हो जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट नेरेलवे लाइन परियोजना के लिए करीब 5,000 झुग्गियों को तोड़े जाने पर मंगलवार को यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया।

महंगाई और कुछ नहीं बल्कि कांग्रेस का दुष्प्रचार है : भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर

भोपाल। भोपाल लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी की सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने मंगलवार को कहा कि महंगाई और कुछ नहीं बल्कि कांग्रेस का दुष्प्रचार है। ठाकुर ने कहा, ए लोग सिर्फ प्रोपेगंडा करते हैं कि डीजल महंगा, पेट्रोल महंगा, यह महंगाई और कुछ नहीं है, यह कांग्रेसियों की मानसिकता है, फोकट का प्रोपेगेंडा है।ठाकुर भोपाल नगर निगम (बीएमसी) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं जिसमें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वर्चुअल तौर पर एक पंप हाउस का लोकार्पण किया और बीएमसी के स्वामित्व वाली कंपनी की नई सिटी बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ठाकुर ने प्रदूषण को घातक बताते हुए कहा कि कांग्रेस के शासन काल में शहरों में सार्वजनिक परिवहन के रूप में पुराने वाहन चलाए जाते थे।

प्रधानमंत्री 70 साल में बनी पूंजी बेच रहे हैं, यह युवाओं के भविष्य पर आक्रमण है: राहुल

■ नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रीय मौद्रिकरण पाइपलाइन (एनएमपी) की घोषणा को मंगलवार को युवाओं के भविष्य पर आक्रमण करार दिया और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 70 साल में जनता के पैसे से बनी देश की बहुमूल्य संपत्तियों को अपने कुछ उद्योगपति मित्रों को बेच रहे हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि कुछ कंपनियों को यह उपहार देने से उनका एकाधिकार बनेगा जिस कारण देश के युवाओं को रोजगार नहीं मिल पाएगा। राहुल गांधी ने एनएमपी के मुद्दे पर पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं केसी वेणुगोपाल एवं रणदीप सुरजेवाला के साथ संवाददाताओं को संबोधित किया।

पीएम मोदी ने 70 साल में जनता के पैसे से बनी देश की बहुमूल्य संपत्तियों को अपने कुछ उद्योगपति मित्रों को बेच रहे हैं।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, नरेंद्र मोदी जी और भाजपा का नारा था कि 70 साल में कुछ नहीं हुआ। लेकिन वित्त मंत्री ने कल 70 साल में जो पूंजी बनी थी, उसे बेचने का फैसला किया। मतलब यह है कि प्रधानमंत्री ने सबकुछ बेच दिया। उन्होंने एनएमपी का विस्तृत उल्लेख करते हुए कहा, इन संपत्तियों को बनाने में 70 साल लगे हैं और इनमें देश की जनता का लाखों करोड़ों रुपए लगे हैं। अब इन्हें तीन-चार उद्योगपतियों को उपहार में दिया जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा, हम निजीकरण के खिलाफ नहीं है। हमारे समय निजीकरण विवेकपूर्ण था। उस समय रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण संपत्तियों का निजीकरण नहीं किया जाता था। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया, यह सब, कुछ कंपनियों का एकाधिकार बनाने के लिए किया जा रहा है।

122 सांसदों, विधायकों के खिलाफ ईडी, 121 के खिलाफ सीबीआई ने जांच की

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय को मंगलवार को सूचित किया गया कि 122 सांसद और विधायक धनशोधन के मामलों में आरोपी हैं और उनके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच की जा रही है, जबकि 121 अन्य के खिलाफ विभिन्न अपराधों में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मामला दर्ज किया है।

सांसदों के खिलाफ धनशोधन रोकथाम कानून के तहत दर्ज मामलों में से 28 मामलों में जांच लंबित है और 10 मामले निचली अदालतों में आरोप तय किए जाने के चरण में हैं। शीर्ष अदालत को यह भी बताया गया कि 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों से संबंधित 77 मामले उत्तर प्रदेश सरकार ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 321 के तहत वापस ले लिए और इसका कोई कारण नहीं बताया गया।

प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति एन वी रमण, न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति सूर्यकांत की पीठ बुधवार को अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय की जनहित याचिका पर सुनवाई करने वाली है। सांसदों और विधायकों के खिलाफ दर्ज मामलों में जल्द निपटारा किए जाने का आग्रह करने से संबंधित मामले में अदालत मित्र के रूप में नियुक्त किए गए वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया द्वारा दायर रिपोर्ट में कहा गया कि विधानसभा और विधान परिषदों के सदस्यों के खिलाफ ईडी द्वारा दर्ज किए गए 48 मामलों में जांच लंबित है और 15 मामले आरोप तय किए जाने के चरण में हैं।

जिन अदालतों में मामले लंबित हैं, उन्हें मामलों को दैनिक सुनवाई के आधार पर जल्द निपटाने का निर्देश दिया जा सकता है।

पेट्रोल-डीजल के दामों में आगामी कुछ महीनों में राहत मिलेगी: हरदीप पुरी

■ नई दिल्ली

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि सरकार ईंधन की कीमतों में वृद्धि के मुद्दे पर बहुत संवेदनशील है और आने वाले महीनों में लोगों को कुछ राहत मिलेगी।मंत्री ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतें धीरे-धीरे नीचे आ रही हैं और स्थिर हो रही हैं।निकट भविष्य में किसी राहत की उम्मीद के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने संवाददाताओं से कहा, केंद्र सरकार इस मुद्दे को लेकर बहुत संवेदनशील है। मुझे लगता है कि आने वाले महीनों में राहत मिलेगी। हालांकि, पुरी ने देश में ईंधन की कीमतों में वृद्धि पर कहा कि केंद्र 32 रुपए प्रति लीटर का उत्पाद शुल्क लगाता है और उससे प्राप्त राजस्व विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च किया जाता है।केंद्र सरकार हमारी अन्य जिम्मेदारियों के प्रति भी बहुत संवेदनशील है..सरकार ने 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन, मुफ्त टीके, अन्य सभी सुविधाएं प्रदान की हैं।केंद्र सरकार द्वारा लगाया गया उत्पाद शुल्क आज भी वही है जो अप्रैल 2010 में था।उदाहरण के लिए, जब अंतरराष्ट्रीय कीमत 19 डॉलर 60 सेंट या 64 सेंट प्रति लीटर थी, तब भी हम 32 रुपए प्रति लीटर उत्पाद शुल्क लगाते थे।

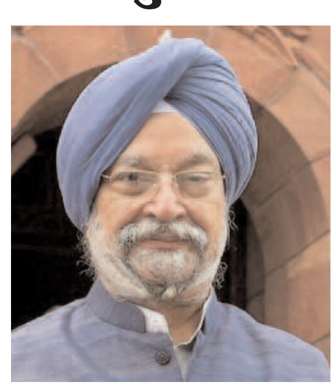

आने वाले महीनों में राहत की उम्मीद

मंत्री ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतें धीरे-धीरे नीचे आ रही हैं और स्थिर हो रही हैं। निकट भविष्य में किसी राहत की उम्मीद के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने संवाददाताओं से कहा, केंद्र सरकार इस मुद्दे को लेकर बहुत संवेदनशील है। मुझे लगता है कि आने वाले महीनों में राहत मिलेगी। भारत में ईंधन की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार द्वारा निर्धारित की जाती हैं, क्योंकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए ने 2010 में तेल की कीमतों को विनियमित किया था। केंद्र सरकार द्वारा ईंधन पर लगाए गए उत्पाद शुल्क के अलावा राज्य वैट भी लगाते हैं।

मंत्रियों, विधायकों ने अमरिंदर सिंह के खिलाफ विद्रोह की आवाज उठाईं

■ चंडीगढ़

पंजाब के चार कैबिनेट मंत्रियों और कांग्रेस के कई विधायकों ने मंगलवार को पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के खिलाफ बगावत का झंडा बुलंद करते हुए कहा कि उन्हें सिंह पर विश्वास नहीं है क्योंकि उन्होंने 2017 के विधानसभा चुनावों से पहले किए गए वादों को पूरा नहीं किया है। चार मंत्रियों तृप्त राजिंदर सिंह बाजवा, सुखबिंदर सिंह सरकारिया, सुखजिंदर सिंह रंधावा और चरणजीत सिंह चन्नी और लगभग 24 विधायकों ने मंगलवार को यहां बाजवा के आवास पर मुलाकात की।बाजवा ने कहा कि वे कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात करने और राज्य की राजनीतिक स्थिति से उन्हें अवगत कराने के लिए समय मांगेंगे। उन्होंने कहा कि कड़े कदम उठाने की जरूरत है और अगर मुख्यमंत्री को बदलने की जरूरत है, तो यह किया जाना चाहिए।

बैठक के बाद, चन्नी ने मीडिया से कहा कि पार्टी के कई विधायक और मंत्री मंगलवार को यहां एकत्रित हुए और उन वादों को लेकर चिंता व्यक्त की, जिन्हें पूरा नहीं किया गया है। इन वादों में 2015 में धार्मिक ग्रंथ की बेअदबी के मामलों में न्याय में देरी, मादक पदार्थ रैकेट में शामिल बड़े लोगों को पकड़ना

और बिजली खरीद समझौतों को रद्द करना शामिल है। उन्होंने कहा कि बाजवा, सरकारिया, रंधावा और पंजाब कांग्रेस महासचिव परगट सिंह पार्टी आलाकमान से मुलाकात करेंगे।ये पांचों अमरिंदर सिंह के विरोधी माने जाते हैं। यह बैठक पंजाब कांग्रेस प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू के दो सलाहकारों द्वारा कश्मीर और पाकिस्तान जैसे संवेदनशील मुद्दों पर विवादास्पद टिप्पणी करने के लिए की गई कड़ी आलोचना के बीच हुई। हालांकि, सिद्धू बैठक में मौजूद नहीं थे। चन्नी ने कहा कि कई विधायक 2017 के विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस द्वारा किए गए उन वादों को लेकर चिंतित हैं जिन्हें अभी तक पूरा नहीं किया गया है। चन्नी ने कहा, हमारे मुद्दे हल नहीं हो रहे हैं। हमें अब विश्वास नहीं है कि इन मुद्दों का समाधान किया जाएगा।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए पीपीपी मॉडल बेहद महत्वपूर्ण : राजनाथ

नागपुर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में मंगलवार को नागपुर की निजी रक्षा कंपनी इकोनॉमिक एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड (ईईएल) द्वारा तैयार किए गए एक लाख स्वदेशी आधुनिक हथगोलों की आपूर्ति भारतीय सेना को की गई। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यहां एक कार्यक्रम के दौरान सेना को मल्टी-मोड हैंड ग्रेनेड (एमएमएचजी) की आपूर्ति की गई। इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संबोधित करते हुए सेना को एमएमएचजी सौंपे जाने को रक्षा क्षेत्र में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के बढ़ते सहयोग का आदर्श उदाहरण और रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम करार दिया। साथ ही भरोसा जताया कि जल्द ही भारत न केवल घरेलू उपयोग के लिए बल्कि पूरे विश्व के लिए सैन्य उत्पाद बनाएगा। सिंह ने कहा, आज का दिन भारतीय रक्षा क्षेत्र के इतिहास में यादगार दिन है। रक्षा उत्पादन के मामले में हमारा निजी उद्योग परिपक्व हो रहा है।

जरा हट के... बग्गा

सोशल मीडिया — संस्कृति मंत्रालय ने कहा कि उसके किसी विभाग से ऐसी कोई सामग्री तैयार नहीं की गई

सरकारी वेबसाइट से भारतीय संस्कृति के खंड को हटाया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सरकार की एक वेबसाइट से भारतीय संस्कृति के एक खंड को पूरी तरह हटा दिया गया। एक दिन पहले ही मुगल साम्राज्य को अबतक के सबस महान साम्राज्यों में एक बताने वाले एक अनुच्छेद को तब हटा दिया गया था जब केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय को टैग करते हुए एक शिकायत सोशल मीडिया पर डाली गई थी।

संस्कृति मंत्रालय ने इस मुद्दे से दूरी बनाते हुए कहा है कि न तो उसके किसी विभाग से ऐसी कोई सामग्री तैयार की और न ही उसने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को ऐसी कोई सिफारिश की थी। हालांकि उसने सोमवार को कहा था कि वह घटनाओं का सटीक चित्रण करने के लिए एजेंसियों के साथ मिलकर काम रहा है। सूत्रों के अनुसार संबंधित वेबसाइट नो इंडिया डॉट गर्वनेमेंट डॉट इन का संचालन इलेक्ट्रोनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय करता है। एक अधिकारी ने कहा, हमने इसलिए प्रतिक्रिया दी क्योंकि शिकायत हमें टैग की गई थी। हमारा न तो वेबसाइट पर स्वामित्व है और न ही हम उसका प्रबंधन करते हैं। सामग्री भी हमने तैयार नहीं की।

सूत्रों ने बताया कि संबंधित सामग्री राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की एक पुस्तक से ली गई थी। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा अनुच्छेद हटाए जाने के एक दिन बाद वेबसाइट पर अब संस्कृति एवं धरोहर खंड ही नहीं है जिसमें भारत के इतिहास, परंपरा, स्मारकों, कलाओं और अन्य गतिविधियों को दर्शाया गया था। मुगलों पर अनुच्छेद मध्यकालीन भारत पन्ने पर था। सोमवार को हटाए गए अनुच्छेद में कहा गया था, भारत में मुगल साम्राज्य सबसे महान साम्राज्यों में एक था। मुगल साम्राज्य ने लाखों लोगों पर शासन किया। भारत एक शासन में एकजुट हो गया और मुगल शासन में समृद्धशाली सांस्कृतिक एवं राजनीतिक वर्ष रहे थे। मुगल साम्राज्य के संस्थापकों के आने से पहले भारत भर में कई मुस्लिम एवं हिंदू राजा-रजवाड़े थे।

सार समाचार

लीबिया के निकट शरणार्थियों की एक नौका पलटी, 17 लोगों की मौत की आशंका

काहिरा। लीबिया के निकट शरणार्थियों की एक नौका पलटने से उसमें सवार 17 लोगों की मौत की आशंका है। संयुक्त राष्ट्र में प्रवासी मामलों की एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। 'इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन' की प्रवक्ता सफा मसेहली ने सोमवार को बताया कि यह हादसा पश्चिमी शहर जुवारा में रविवार रात हुआ। रबर की एक नौका में 70 लोग सवार थे और लीबिया तटरक्षकों ने मिस्र के 51 लोगों का बचा लिया है। एक शव बरामद हुआ है और अन्य 16 लोग लापता है, जिनके डूबने की आशंका है। लीबिया में पिछले महीने भी दो नौका हादसे हुए थे, जिनमें करीब 80 लोगों के मारे जाने की आशंका है। वहीं,इस साल 22 अप्रैल को सबसे भयावह नौका दुर्घटना हुई थी, जिसमें 130 लोग डूब गए थे।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख का बयान, तालिबान के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में बर्बरता की खबरें मिली हैं

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख मिशेल बैशलेट ने मंगलवार को कहा कि उन्हें अफगानिस्तान में तालिबान के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में बर्बरता से संबंधित पक्की खबरें मिली हैं जिनमें आम लोगों और हथियार डाल चुके सुरक्षाकर्मियों को तत्काल मृत्युदंड दिए जाने तथा महिलाओं पर प्रतिबंध लगाना शामिल है। उन्होंने मानवाधिकार परिषद से अफगानिस्तान में लोगों के अधिकारों से जुड़ी स्थिति पर निगरानी के लिए ''साहसिक एवं ठोस कार्रवाई'' करने का आग्रह किया। बैशलेट ने कहा कि मानवाधिकार उल्लंघन की खबरों की जांच के लिए कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए और युद्धग्रस्त देश पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''इस निर्णायक घड़ी में, अफगानिस्तान के लोग अपने अधिकारों की रक्षा के लिए मानवाधिकार परिषद की ओर देख रहे हैं।'' बैशलेट ने कहा, ''अफगानिस्तान में मानवाधिकारों से संबंधित स्थिति पर करीब से नजर रखने के लिए एक समर्पित तंत्र की स्थापना कर मैं परिषद से साहसिक एवं ठोस कार्रवाई करने का आग्रह करती हूं।'' उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में तालिबान आम लोगों और हथियार डाल चुके सुरक्षाकर्मियों को तत्काल मृत्युदंड दिए जाने, बाल सैनिकों की भर्ती, महिलाओं के स्वतंत्रता के साथ घूमने और लड़कियों के स्कूल जाने पर रोक लगाने जैसे काम कर रहा है तथा शांति से प्रदर्शन करने वालों का दमन किया जा रहा है।

गाजा में इजरायली हमले, नाबलस में फिलीस्तीनी किशोर की मौत

तेल अवीव। इजराइली जंगी विमानों ने रात भर गाजा में हमले किये जिसके बाद हमास ने भी मशीनगनों से गोलीबारी की। मई में हुए 11 दिनों के संघर्ष के बाद से यह सबसे भीषण, सीमा पार की लड़ाई है। फलस्तीनी अधिकारियों ने बताया कि इजराइली सेना के साथ संघर्ष में कब्जे वाले पश्चिमी तट पर एककिशोर मारा गया। फलस्तीनी प्रशासन के अनुसार, नाबलस में सैनिकों के साथ संघर्ष के दौरान 15 साल के एक किशोर के सिर में गोली लग गयी और वह मारा गया। इजराइली सेना ने कहा कि सैनिक बलाटा शरणार्थी शिविर में छापा मार रहे थे, कि उसी दौरान समीप की छतों से उन पर हमला किया जाने लगा। सेना ने कहा कि सैनिकों पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके जा रहे थे, तभी सैनिकों ने एक व्यक्ति पर गोली चला दी क्योंकि वह उन पर एक बड़ी सी वस्तु गिराने वाला था। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि इमाद हशाश नामक यह किशोर वही तो नहीं है, जो मारा गया। इजराइली सेना ने कहा कि रात भर गाजा पट्टी में हमास के हथियार विनिर्माण स्थल, एक सुरंग और एक भूमिगत रॉकेट लांच स्थल को निशाना बनाया गया। यह हिंसा ऐसे वक्त हुई है जब मिस्र की मध्यस्थता में हो रही वार्ता की स्थिति बिगड़ती जा रही है।

मेक्सिको की खाड़ी में स्थित एक तेल प्लेटफार्म पर लगी भयंकर आग, 5 की मौत

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको की सरकारी तेल कंपनी ने सोमवार को कहा कि मेक्सिको की खाड़ी में स्थित उसके एक तेल प्लेटफार्म पर आग लगने से पांच श्रमिकों की मौत हो गई, दो लापता हैं और छह घायल हैं। 'पेट्रोलियोस मैक्सिकानोस' (पेमेक्स) ने बताया कि कू-मालूब-जाप में स्थित प्लेटफार्म पर लगी आग पर रविवार को काबू पा लिया गया। कंपनी ने कहा कि आग लगने से क्षेत्र के 125 तेल कुओं को बंद करना पड़ा जिससे मेक्सिको द्वारा प्रतिदिन 4,21,000 बैरल तेल उत्पादन कम होगा। इससे कंपनी को प्रतिदिन 2.5 करोड़ डॉलर का घाटा होगा। लापता श्रमिकों के मिलने की संभावना के बारे में स्थिति स्पष्ट नहीं है और प्लेटफार्म जलकर खाक हो चुका है। कंपनी के निदेशक ऑक्टेवियो रोमेरो ने कहा कि प्लेटफार्म पर दैनिक कामकाज करते हुए कुछ श्रमिकों की मौत हो गई। रोमेरो ने बताया कि कंपनी जल्द से जल्द उत्पादन बहाल करने का प्रयास करेगी। पेमेक्स की ओर से कहा गया कि वह लापता लोगों का पता लगा रही है।

पहली बार बाइडेन की रेटिंग 50 प्रतिशत से नीचे पहुंची

नई दिल्ली। एनबीसी न्यूज पोल के अनुसार अमेरिका में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी और अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी से अराजकता पर आलोचना के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन की अनुमोदन रेटिंग उनके शुरूआती राष्ट्रपति पद पर पहली बार वयस्कों के बीच 50 प्रतिशत से कम हो गई है। सर्वेक्षण में यह भी पाया गया है कि पिछले वसंत की तुलना में अब कम अमेरिकी कोरोनोवायरस और अर्थव्यवस्था से निपटने के लिए बाइडेन का समर्थन करते हैं। एनबीसी ने बताया कि सर्वेक्षण के निष्कर्षों से पता चलता है कि अप्रैल के बाद से जनता कोरोनोवायरस के बारे में अधिक निराशावादी हो गई है, देश इस बात पर विभाजित है कि क्या कोविड -19 टीकों को अनिवार्य किया जाना चाहिए या नहीं। हार्ट रिसर्च एसोसिएट्स के डेमोक्रेटिक पोलस्टर जेफ हॉर्विट ने कहा, यह सब बाइडेन के लिए असंतोष पैदा करता है, जिन्होंने रिपब्लिकन पोलस्टर बिल मैकइंटर्फ ऑफ पब्लिक ओपिनियन स्ट्रैटेजीज के साथ यह सर्वेक्षण किया।

पीएम मोदी ने अफगानिस्तान और द्विपक्षीय मामलों पर पुतिन से की बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मंगलवार को अफगानिस्तान के हालिया घटनाक्रम के साथ-साथ द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की। पीएम मोदी ने एक ट्वीट में कहा, अफगानिस्तान में हाल के घटनाक्रम पर अपने मित्र राष्ट्रपति पुतिन के साथ विस्तृत और उपयोगी विचारों का आदान-प्रदान किया। हमने द्विपक्षीय एजेंडे के मुद्दों पर भी चर्चा की, जिसमें कोविड-19 के खिलाफ भारत-रूस सहयोग शामिल है। हम महत्वपूर्ण मुद्दों पर करीबी परामर्श जारी रखने पर सहमत हुए। रूस के राष्ट्रपति के साथ 45 मिनट तक चली चर्चा में मोदी ने द्विपक्षीय मुद्दों पर भी चर्चा की। चर्चा का महत्व इसलिए है, क्योंकि यह बातचीत अफगानिस्तान में तेजी से बदलती स्थिति के बीच हुई है, जहां तालिबान ने लगभग पूरे देश का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है। भारत ने काबुल से अपने राजनयिक मिशन को खाली कर दिया है और रूस ने अपने राजनयिकों को काबुल में रखा है और वह संभवतः तालिबान के साथ संचार चैनल खोलना चाहता है। अफगानिस्तान में तालिबान शासन की मान्यता पर, भारत ने कहा है कि वह इंतजार करेगा और देखेगा कि चरमपंथी समूह खुद को कैसे संचालित करता है और अन्य लोकतांत्रिक राष्ट्र इसके बारे में क्या कदम उठाते हैं। सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी ने जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल से भी बात की थी और अफगानिस्तान सहित द्विपक्षीय, बहुपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की थी। अफगानिस्तान में बढ़ती सुरक्षा चिंता और क्षेत्र तथा दुनिया पर इसके प्रभावों पर चर्चा करते हुए, उन्होंने शांति और सुरक्षा बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया, जिसमें सबसे जरूरी प्राथमिकता फंसे हुए लोगों की वापसी है। मोदी ने सोमवार को ट्वीट करते हुए कहा था, आज शाम चांसलर मर्केल से बात की और अफगानिस्तान में हाल के घटनाक्रम सहित द्विपक्षीय, बहुपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की। भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दोहराया।

काबुल में यूक्रेन का विमान हुआ हाईजैक, 83 यात्री थे सवार, तालिबान पर लगा आरोप !

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद यूक्रेन का विमान हाईजैक हो गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक यूक्रेन के विदेश मंत्री ने दावा किया कि काबुल हवाई अड्डे पर उनके विमान को अगवा कर लिया गया है। दरअसल, यूक्रेन का विमान अपने लोगों को अफगानिस्तान से सही सलामत निकालने के लिए पहुंचा था लेकिन कुछ बंदूकधारियों ने उसे हाई जैक कर लिया।

विमान में 83 लोग थे सवार

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यूक्रेन के विमान में 83 लोग सवार थे। जिसे ईरान की तरफ ले जाया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक यूक्रेन का विमान रविवार को ही हाई जैक हो गया था लेकिन इसकी पुष्टि विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को की। हालही मे तालिबान ने संकेत दिया था कि वह जल्द ही निकासी की इस प्रक्रिया को रोक सकता है। जिसके बाद तालिबान पर विमान हाई जैक करने का आरोप लग रहा है।

गौरतलब है कि अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद अफरा तफरी का माहौल है। ज्यादातर लोग देश छोड़ने के लिए विवश हो गए हैं। ऐसे में तमाम मुल्क अपने लोगों को काबुल एयरपोर्ट से निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है। ऐसे में यूक्रेन ने भी अपने लोगों को निकालने के लिए विमान भेजा था लेकिन उस पर बंदूकधारियों ने कब्जा कर लिया और उसे ईरान की तरफ ले गए।

अफगान संकट पर दुनिया के 'सुपरपॉवर' देशों की मीटिंग, तालिबान पर लगेंगे कड़े प्रतिबंध

लंदन। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे से पूरी दुनिया में खलबली मची है। ब्रिटेन ने आज जी-7 देशों की एक वर्चुअल बैठक बुलाई है। जी-7 में दुनिया के सबसे ताकतवर देश शामिल हैं। इसलिए अफगानिस्तान के मुद्दे पर जी-7 की बैठक पर हर किसी की निगाहें टिकी है। इस वर्चुअल मीटिंग में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, कनाडा, जर्मनी, इटली, जापान जैसे देश शामिल होंगे। ब्रिटेन जी-7 ग्रुप का अध्यक्ष है और ब्रिटिश पीएम बोरिस जॉनसन पिछले एक हफ्ते से इस मीटिंग के लिए जोर डाल रहे थे। इस बैठक में यूएन सेक्रेटरी जनरल एंटोनियो गुतारेस व संयुक्त राष्ट्र के महासचिव जेन स्टॉलटेनबर्ग के शामिल होने की भी संभावना है। सूत्रों के मुताबिक जो बाइडन, अफगानिस्तान में 31 अगस्त के बाद भी अमेरिकी व नाटो देशों की सेनाओं को कुछ वक्त के लिए रोकने पर फैसला ले सकते हैं।

क्या है जी-7 की मीटिंग का एजेंडा?

दुनिया के सबसे ताकतवर देश जब अफगानिस्तान को लेकर मीटिंग करेंगे तो उनके एजेंडे में तालिबान पर और कड़े प्रतिबंध लगाने पर बात हो सकती है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन तालिबान पर प्रतिबंध का प्रस्ताव दे सकते हैं। इन प्रतिबंधों के तहत अफगानिस्तान को दी जा रही आर्थिक मदद के साथ-साथ मानवीय मदद को भी रोकने पर चर्चा हो सकती है और इसके लिए प्रस्ताव भी पास हो सकता है। अफगानिस्तान पर सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा हो सकती है। इसके साथ ही जी-7 के नेता अफगान शरणार्थियों को मानवीय सहायता देने की योजनाओं पर भी चर्चा कर सकते हैं।

तालिबान पर ब्रिटेन की दो टूक: जी-7 की बैठक से पहले तालिबान को लेकर बोरिस जॉनसन ने सीधी चेतावनी भी दी है। उन्होंने कहा कि तालिबान जो कहता है उस पर यकीन नहीं है। तालिबान को उसके कर्मों से आंका जाएगा।

इमरान की पार्टी की नेता का विवादित बयान, कहा- तालिबान कश्मीर जीतकर पाकिस्तान को देगा

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद पाकिस्तान उन्हें मान्यता दिलाने की कोशिशों में जुटा हुआ है। सभी जानते हैं कि पाकिस्तान हमेशा तालिबान का समर्थक रहा है। प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ (पीटाआई) तालिबान की बढ़ती ताकतों को लेकर जश्न मना रही है। इसी बीच इमरान खान की पार्टी की एक नेता ने कश्मीर को लेकर विवादित बयान दिया है।

पीटाआई की नेता की विवादित टिप्पणी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इमरान की नेता नीलम इरशाद शेख ने कहा कि तालिबान पाकिस्तान के साथ है। तालिबान आएगा और कश्मीर को जीतकर पाकिस्तान को दे देगा। दरअसल, नीलम इरशाद शेख ने यह बयान पाकिस्तान के बोल टीवी शो में दिया था।

आपको बता दें कि पाकिस्तान हमेशा से ही कश्मीर में घुसपैठ की कोशिशें करता रहा है। लेकिन भारतीय सेना ने उनके मंसूबों पर पानी फेरा है। पाकिस्तानी नेता ने कश्मीर को लेकर ऐसे समय में टिप्पणी की है जब उनके मुल्क ने तालिबानियों की मदद खुलेआम की है। हाल ही में पाकिस्तान के कबायली इलाकों से हजारों की संख्या में आतंकवादी तालिबान की मदद के लिए अफगानिस्तान पहुंचे हैं।

पाकिस्तान का साथ दे रहा तालिबान

नीलम इरशाद शेख ने कहा कि भारत ने हमारे जो टुकड़े किए हैं, वो हम जुड़ जाएंगे। हमारी फौज के पास पावर है, सरकार के पास पावर है। उन्होंने कहा कि तालिबान भी हमारा साथ दे रहा है। जब उनके साथ ज्यादती हुई तो पाकिस्तान ने उनका साथ दिया और अब वो हमारा साथ देंगे।

पाक मुल्लाओं ने अफगानिस्तान में तालिबान की जीत की सराहना की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान स्थित विभिन्न धार्मिक संगठनों की गहन जांच से पता चलता है कि अफगानिस्तान में तालिबान की जीत के पक्ष में उनके बीच बयानबाजी बढ़ रही है। इस तरह के मजबूत नैरेटिव वास्तव में पाकिस्तान और पूरे क्षेत्र के हितों के लिए हानिकारक हो सकते हैं। जमीयत-ए-उलेमा-ए-इस्लाम (एस) और दीफा-ए-पाकिस्तान काउंसिल के प्रमुख मौलाना हमीद-उल-हक हक्कानी ने तालिबान की जीत को मौलाना सामी-उल-हक की विचारधारा और उनके विचारों की जीत करार दिया। उन्होंने घोषणा की कि अगले शुक्रवार, 27 अगस्त को वे यूम-ए-तशक्कुर मनाएंगे, जो तालिबान की जीत के लिए अल्लाह का शुक्रिया अदा करने के लिए होगा। मौलाना हामिद ने कहा कि दुनिया को अपनी तथाकथित लोकतांत्रिक व्यवस्था को अफगानिस्तान पर नहीं थोपना चाहिए, क्योंकि तालिबान ने पिछले 20 वर्षों में बहुत कुछ सीखा है। मौलाना हामिद ने मांग की कि दुनिया को तुरंत तालिबान की सरकार को स्वीकार करना चाहिए और राजनयिक संबंधों को पुनर्जीवित करना चाहिए।

यूएनएचआरसी में भारत ने कहा- आशा है जैश, लश्कर जैसे आतंकी संगठन अफ़ग़ानिस्तान की धरती का इस्तेमाल अशांति फैलाने के लिए नहीं करेंगे

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में मानवाधिकारों के प्रचार और संरक्षण' पर विचार करने के लिए जिनेवा में यूएनएचआरसी का विशेष सत्र चल रहा है। भारत ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के विशेष सत्र में कहा कि उसे उम्मीद है कि अफगानिस्तान की स्थिति उसके पड़ोसियों के लिए चुनौती नहीं बनेगी। संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रमुख प्रतिनिधि, इंद्रमणि पांडे ने लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और जैश-ए-मोहम्मद (जेएम) जैसे आतंकवादी समूहों द्वारा अफगान क्षेत्र के इस्तेमाल की संभावना पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे शांति और स्थिरता का खतरा पैदा न हो। पांडे ने यूएनएचआरसी सत्र में कहा, 'हर कोई अफगान नागरिकों के मौलिक अधिकारों के उल्लंघन को लेकर चिंतित है। अफगान इस बात से चिंतित हैं कि क्या उनके सम्मान के साथ जीने के अधिकार का सम्मान किया जाएगा। भारत द्वारा दिखाई गई तात्कालिकता को प्रतिध्वनित करते हुए अफगान दूत नासिर अहमद अंदिशा ने कहा कि ह्यूमन राइट सिस्टम वेट एंड वॉच सिचुएशन में नहीं रह सकता है। हमें कार्रवाई की आवश्यकता है। भारतीय दूत ने कहा कि अफगानिस्तान के साथ उसकी 'सहस्राब्दी पुरानी दोस्ती' लोगों से लोगों के संबंधों के मजबूत स्तंभों पर टिकी हुई है। भारत हमेशा शांतिपूर्ण, समृद्ध और प्रगतिशील अफगानिस्तान के लिए खड़ा रहा है।

बता दें कि अफगानिस्तान, पाकिस्तान और इस्लामिक सहयोग संगठन के समन्वयक के अनुरोध पर अफगानिस्तान की स्थिति पर 'गंभीर मानवाधिकार चिंताओं' को दूर करने के लिए सत्र बुलाया गया है। इस अनुरोध को अब तक 89 देशों ने समर्थन दिया। अधिकांश देशों के प्रतिनिधिमंडल वीडियो लिंक के जरिए सत्र को संबोधित करेंगे।

तालिबान को उसकी बातों से नहीं, कामों से आंका जाएगा : बोरिस जॉनसन

लंदन। (एजेंसी)।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने अफगानिस्तान के संकट पर जी7 देशों की आपात बैठक की अध्यक्षता करने से पहले कहा कि तालिबान को उसकी बातों से नहीं उसके काम से आंका जाएगा। डाउनिंग स्ट्रीट ने कहा कि बैठक के दौरान, जॉनसन समूह (जी) सात के नेताओं से अफगानिस्तान के लोगों के साथ खड़े रहने और शरणार्थियों और मानवीय सहायता को मजबूत करने का आह्वान करेंगे। जी7 देशों में ब्रिटेन के अलावा, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और अमेरिका हैं।

जॉनसन ने कहा, 'हमारी पहली प्राथमिकता, हमारे नागरिकों और पिछले 20 साल में हमारी कोशिश में मदद करने वाले अफगानिस्तान के लोगों को निकालना है, लेकिन जब हम अगले चरण की योजना बनाते हैं तो यह जरूरी हो जाता है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के तौर पर हम साथ आएं और दीर्घावधि के लिए एक संयुक्त दृष्टिकोण पर सहमत हों।' उन्होंने कहा, 'इसलिए मैंने जी7 की आपात बैठक बुलाई है ताकि तत्काल संकट पर हमारी प्रतिक्रिया का समन्वय किया जा सके और अफगानिस्तान के लोगों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुनर्पुष्टि की जा सके।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'हमारे साझेदारों और सहयोगियों के साथ मिल कर, हम हर मानवीय और राजनयिक प्रभाव का इस्तेमाल मानवाधिकारों और बीते 20 साल में हासिल उपलब्धियों की रक्षा करने के लिए कर सकते हैं। तालिबान को उसकी बातों से नहीं, उसके काम से आंका जाएगा।' इस बीच जॉनसन ने बैठक से पहले सोमवार शाम को अफगानिस्तान के संकट पर अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन से बात की। डाउनिंग स्ट्रीट के प्रवक्ता ने कहा, 'उन्होंने काबुल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अपने नागरिकों और अपनी सरकारों के साथ काम करने वाले लोगों को तेजी से और सुरक्षित तरीके से निकालने के ब्रिटेन और अमेरिका के प्रयासों को समन्वित करने पर चर्चा की।' जी7 की बैठक ऑनलाइन होगी जिसमें नाटो और संयुक्त राष्ट्र महासचिवों को भी आमंत्रित किया गया है।

भारत ने सभी 15 यूएनएससी सदस्यों की चिंताओं को सुनिश्चित किया: राजदूत तिरुमूर्ति

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि टी एस तिरुमूर्ति ने कहा है कि भारत ने सुरक्षा परिषद की अपनी अध्यक्षता के दौरान अहम कार्यक्रमों के 'महत्वपूर्ण' निष्कर्ष दस्तावेजों पर काम करने के लिए ''परामर्शी दृष्टिकोण'' अपनाया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि संयुक्त राष्ट्र की इकाई के सभी 15 सदस्यों की जरूरतों और चिंताओं पर विचार हो। तिरुमूर्ति ने साथ ही कहा कि इससे संयुक्त राष्ट्र को काफी लाभ होगा। अगस्त माह के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की भारत की अध्यक्षता इस सप्ताह समाप्त हो रही है।

देश ने अपनी अध्यक्षता के दौरान समुद्री सुरक्षा, शांति स्थापना और आतंकवाद निरोधी विषयों पर तीन अहम कार्यक्रम आयोजित किए। तिरुमूर्ति ने कहा,'' तीन अहम कार्यक्रमों से महत्वपूर्ण निष्कर्ष दस्तावेजतैयार किए गए हैं। हमने परिषद में प्रवेश के समय से ही अपनी तैयारी शुरू कर दी थी।हमने पहले संयुक्त राष्ट्र की संबंधित एजेंसियों के साथ व्यापक चर्चा की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन कार्यक्रमों के निष्कर्ष पर आधारित दस्तावेज विषय पर केंद्रित हों और इनसे संयुक्त राष्ट्र कोक्षेत्र में लाभ मिले।'' उन्होंने कहा,'' हम इन दस्तावेजों पर काम करने के लिए परामर्शी दृष्टिकोण अपना रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सभी 15 सदस्यों की जरूरतों और चिंताओं पर विचार हो। इस प्रकार की परामर्शी प्रक्रिया में वक्त लगता है, लेकिन अंततः इससे ठोस नतीजे निकलते हैं, जिसे सुरक्षा परिषद के सभी सदस्यों का निर्विरोध समर्थन भी है। यह हमारी ताकत है और सभी ने विचार विमर्श में हमारे समावेशी रुख की सराहना की है।''

तिरुमूर्ति ने कहा कि वह,'' इस बात से प्रसन्न हैं कि तीनों कार्यक्रम बेहद सफल रहे।'' उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नौ अगस्त को हुए समुद्री सुरक्षा कार्यक्रम को सफल करार दिया। तिरुमूर्ति ने कहा, यह पहली बार था जब हमने समुद्री सुरक्षा की समग्र अवधारणा और इसके मायने पर व्यापक चर्चा की। उन्होंने कहा कि समुद्री सुरक्षा पर राष्ट्रपति का बयान भी आया जो संयोग से इस अवधारणा पर राष्ट्रपति का पहला वक्तव्य भी था। उन्होंने कहा, ''राष्ट्रपति के बयान में समुद्री सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दे थे, जिसमें समुद्री सुरक्षा में यूएनसीएलओएस (समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन) का स्थान, नौवहन की स्वतंत्रता, आतंकवाद, हथियारों, मादक पदार्थों और मानव तस्करी, इस संदर्भ में क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय संगठनों की जगह, पायरेसी आदि शामिल हैं।'' कई अन्य गैर-परिषद सदस्यों ने भी लिखित में बयान दिए। उन्होंने कहा कि, ''कुल मिलाकर विषय की जटिलताओं और विभिन्न विचारों को एक सहमति बयान में साथ लाने के हमारे दल की काबिलियत को

देखते हुए हमारे कार्यक्रम को काफी सराहा गया।'' विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 18 अगस्त को शांतिस्थापना और प्रौद्योगिकी पर और 19 अगस्त को आईएसआईएल या दाएश पर सम्मेलन जैसे दो अहम कार्यक्रमों की अध्यक्षता की।

एक नजर

पूर्वी निगम पर्यावरण सहायकों को नियमित करने को लेकर गंभीर नहीः नेता विपक्ष

नई दिल्ली। पूर्वी निगम में भाजपा कई वर्षों से पर्यावरण सहायकों को स्थाई करने के नाम पर झूठ बोल रही है लेकिन इन्हें स्थायी नहीं किया जा रहा है। यह बात पूर्वी निगम में नेता विपक्ष मनोज कुमार त्यागी ने कही। उन्होंने कहा कि वर्ष 1994 से 96 और 1996 से 98 तक 7000 दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को स्थायी किया जाना था लेकिन इनमें से सिर्फ 5053 कर्मचारियों को सन 2012 में स्थायी किया गया बाकी कर्मचारियों को आज तक स्थायी नहीं किया गया है जिसके लिए भाजपा पूरी तरह से जिम्मेदार है। कर्मचारियों ने अपने अधिकारों के लिए वर्ष 2018 में लगभग एक माह का लंबा हड़ताल की थी लेकिन भाजपा ने इन्हें गुमराह करने के लिए कहा कि फेज मैनर पॉलिसी के आधार पर इन्हें स्थायी किया जाएगा। लेकिन इस हड़ताल के बाद सिर्फ 04 कर्मचारियों को स्थायी किया गया 1746 कर्मचारी अपने अधिकारों के लिए आज भी भटक रहे हैं जिसे देखने-सुनने वाला कोई नहीं है। इन्हें कब स्थायी किया जाएगा जिसका समय निर्धारण नहीं है। नेता विपक्ष ने कहा कि हमारे कर्मचारी दिल्ली को चमकाने के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं और दिल्ली की स्वच्छता रैंकिंग भी उन्हीं के कंधों पर निर्भर करती है फिर भी सत्ताधारी पद इनकी अनदेखी कर रही है। जिस प्रकार दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने ठोस पॉलिसी लाकर दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को स्थायी करने का कार्य किया है उसी प्रकार पूर्वी निगम में भी दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को उनका अधिकार देना चाहिए ताकि वे अपने आपको ठगा से महसूस न करें। जब पूर्वी निगम के कार्यों को निजी हाथों में सौपने की बात आती है तो पूर्वी निगम दक्षिणी एवं उत्तरी दिल्ली नगर निगम का अनुसरण करती है लेकिन कर्मचारियों को लाभ पहुंचाने की बात आती है तो भाजपा शासित पूर्वी निगम अपने आप को अलग कर लेती है जो भाजपा के दोहरे मानसिकता को दर्शाती है। नेता विपक्ष ने मीडिया के माध्यम से भाजपा से आग्रह किया कि 1746 कर्मचारियों को स्थायी कर इनका अधिकार देने का कार्य तुरन्त करना चाहिए क्योंकि सिर्फ और सिर्फ सहानुभूति से इनका भला होने वाला नहीं है। नेता विपक्ष ने कहा कि भाजपा शासित पूर्वी निगम में डीबीसी कर्मचारियों को पद सृजन करने को लेकर भाजपा कोई ठोस कदम नहीं उठा रहीं है।

राष्ट्रीय राजधानी मे न्यूनतम तापमान में वृद्धि

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को न्यूनतम तापमान में कुछ डिग्री की बढ़त देखी गई और यह 29.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, दिल्ली में सुबह सापेक्षिक आर्द्रता 89 प्रतिशत रही। सोमवार को न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और अधिकतम तापमान 35.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

दिल्ली की हर नाली और नाले में किए जाएंगे जरूरी बदलाव

● जल भराव की समस्या दूर करने का दावा

■ नई दिल्ली

बारिश के दौरान दिल्ली में होने वाली जल भराव की समस्या को दूर करने के लिए हर नाली और नाले में जरूरी बदलाव किए जाएंगे। आईआईटी दिल्ली द्वारा दिए गए सुझावों के मुताबिक नालियों में बदलाव किए जाएंगे, ताकि भारी बारिश के दौरान भी पानी की बेहतर निकासी हो सके और जल भराव की समस्या दूर की जा सके। दिल्ली में किस नाली का स्लोप खराब है, कौन सी नाली कहां मिलती है और किस नाली को किस नाले से जोड़ना है, उसके लिए हर नाली और नाले का अलग-अलग प्रोजेक्ट बनेगा। संबंधित अधिकारियों को इसका पूरा प्लान जल्द से जल्द बनाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए कंसल्टेंट हायर किए जाएंगे, जो प्रत्येक नाली और नाले का प्लान और प्रोजेक्ट रिपोर्ट्स बनाएंगे, ताकि इसको शीघ्र लागू किया जा सके। यह कहना है दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का। मंगलवार को सीएम ने दिल्ली के ड्रेनेज मास्टर प्लान को लेकर सचिवालय में संपन्न हुई समीक्षा बैठक के दौरान यह बातें कही।

इस दौरान जलमंत्री सत्येंद्र जैन, डीजेबी के उपाध्यक्ष राघव चड्ढा और मुख्य सचिव समेत जल बोर्ड और अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के ड्रेनेज मास्टर प्लान को लेकर आईआईटी दिल्ली ने समान्य सुझाव दिए हैं और अब हमें उसको आगे ले जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की हर नाली और नाले का अलग-अलग प्रोजेक्ट बनाया जाए।

किस नाली का स्लोप खराब है, कौन सी नाली अंत में कहां मिलती है और किस नाली को किस नाले से जोड़ना है, यह सब एक-एक नाली और एक-एक नाले का विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि यह पूरा प्लान जल्द से जल्द बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने इसके लिए एक कंसल्टेंट हायर करने के निर्देश भी दिए और कहा कि यह कंसल्टेंट एक-एक नाली और एक-एक नाले का प्लान और प्रोजेक्ट रिपोर्ट्स बनाएंगे, ताकि इसको यथा शीघ्र लागू किया जा सके।

दिल्ली ड्रेनेज मास्टर प्लान का उद्देश्य

दिल्ली ड्रेनेज मास्टर प्लान का उद्देश्य एक निश्चित समय सीमा के अंदर दिल्ली की जल निकासी में सुधार करने के लिए दिल्ली के मास्टर प्लान-2021 के अनुसार करीब 30-35 वर्षों के लिए दिल्ली में जल निकासी के संदर्भ में एक मास्टर प्लान तैयार करना है। साथ ही, मास्टर प्लान को चरणबद्ध तरीके से कार्यान्वयन के लिए कार्य योजना तैयार करना और दिल्ली मास्टर प्लान-2021 के अनुसार, दिल्ली की जरूरतों को पूरा करने के लिए आगे की योजनाओं के साथ-साथ पहले पांच साल के लिए प्राथमिकता वाली परियोजनाओं के लिए उचित रिपोर्ट तैयार करना है।

दिल्ली ड्रेनेज मास्टर प्लान में की गई सिफारिशें

- बरसाती पानी की नालियों पर अतिक्रमण न हो।
- बरसाती पानी की नालियों में सीवेज न जाए।
- बरसाती पानी की नालियों में कोई ठोस अपशिष्ट या सीएंडडी अपशिष्ट जाने की अनुमति नहीं दी जाए।
- बरसाती नालों की डी-सिल्टिंग की प्रभावशीलता व डी-सिल्टिंग कार्यक्रम का सार्वजनिक प्रदर्शन।
- कोई बरसाती पानी सीवर सिस्टम में नहीं बहाया जाना चाहिए।
- किसी भी बरसाती पानी की नालियों के अंदर निर्माण की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। एलिवेटेड रोड, मेट्रो की उपयोगिताओं और खंभों को बरसाती पानी की नालियों के अंदर अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।
- बरसाती पानी के नए नालों का डिजाइन अलग से नहीं किया जाना चाहिए।
- जल निकायों का कायाकल्प किया जाना चाहिए।
- कम प्रभाव विकास (एलआईडी) विकल्प, जहां भी संभव हो, जैसे नालियों के संबंधित जलग्रहण क्षेत्रों में गड्ढे, वर्षा उद्यान, जैव-प्रतिधारण तालाब, जैव-स्वाल आदि करना।
- बाढ़ प्रबंधन में सुधार के लिए सेंसर का उपयोग कर बाढ़ की निगरानी करना।

हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर यात्री सेवा समिति द्वारा निरीक्षण

■ नई दिल्ली

अध्यक्ष यात्री सेवा समिति रमेश चंद्र रत्न और सदस्यों ने मंगलवार को हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष ने केटरिंग स्टॉल, एसी प्रतीक्षालय, बुकिंग कार्यालय आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने जनता खाना की गुणवत्ता जांचने के लिए उसका स्वाद भी चखा, यात्रियों, कुलियों और आरपीएफ कर्मियों से भी बातचीत की।

इस दौरान प्रशांत कुमार, अपर मंडल रेल प्रबंधक, दिल्ली और उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल के वरिष्ठ अधिकारी पीएससी निरीक्षण के दौरान साथ थे।

तकनीकि कारण से संपत्ति कर जमा कराने में आ रही है परेशानीः पंवार

■ नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली नगर निगम के स्थायी समिति अध्यक्ष बीर सिंह पंवार ने कहा है कि पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा नागरिक सेवाओं को ऑनलाइन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तकनीक को उन्नत बनाने की इस प्रक्रिया के चलते कुछ परेशानी भी आ रही है। पंवार ने कहा कि यह संज्ञान में आया है कि लोगों को संपत्ति कर जमा कराने में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसा तकनीक को बेहतर बनाने की प्रक्रिया के चलते हो रहा है। पंवार ने कहा है कि जल्द ही इस तकनीकी समस्या का समाधान कर लिया जाएगा। पंवार ने कहा कि पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा अपनी वेबसाइट को एनआईसी पॉर्टल पर

> ▶▶ पंवार ने कहा कि यह संज्ञान में आया है कि लोगों को संपत्ति कर जमा कराने में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसा तकनीक को बेहतर बनाने की प्रक्रिया के चलते हो रहा है।

शिफ्ट किया गया है। निगम द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं को ऑनलाइन माध्यम पर लाया जा रहा है। पंवार ने कहा कि डिजिटल माध्यम से नागरिक सेवाएं अधिक पारदर्शी व सुलभ होंगी। पंवार ने कहा कि पूर्वी दिल्ली नगर निगम नागरिकों को अधिक से अधिक सेवाएं प्रदान करने के प्रति प्रतिबद्ध है।

गुरु ग्रंथ *डीएसजीपीसी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा मंगलवार को नई दिल्ली में काबुल से गुरुद्वारा श्री अर्जन देव जी, न्यू महावीर नगर लाए गए श्री गुरु ग्रंथ साहिब को लेते हुए।*

पूर्वी दिल्ली महापौर ने मास्टर प्लान 2041 से संबंधित अपने सुझाव दिए

■ नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के महापौर श्याम सुन्दर अग्रवाल ने डीडीए उपाध्यक्ष अनुराग जैन से मुलाकात की और उन्हें मास्टर प्लान 2041 से संबंधित अपने सुझाव दिए। अग्रवाल ने कहा कि अनधिकृत नियमित कॉलोनियों में 32 मीटर से छोटे प्लॉट का नक्शा पास नहीं होता जिसके कारण लोग अवैध निर्माण करते हैं और ऐसे निर्माण कार्य लगातार जारी रहते हैं। इसके बदले निगम के कर्मचारी दिन-प्रतिदिन भ्रष्टाचार में लिप्त रहते हैं और उनकी मिलीभगत से अवैध मकान बनते रहते हैं। इसलिए प्लॉट का साइज कोई भी हो,सभी का नक्शा पास होना चाहिए ताकि अवैध निर्माण रूके और निगम को राजस्व मिले। उन्होंने आगे बताया कि बिल्डिंग बाय-लॉज के अनुसार यदि किसी प्लॉट का विभाजन 30 जून 1977 से पहले का है तो ही उसका नक्शा पास होता है। यदि इसके बाद का है तो वह नक्शा पास नहीं होता। नक्शा पास कराने वाला व्यक्ति मजबूरी में 1977 से पहले का नकली पेपर लगाता है और नक्शा पास करवाता है या फिर अवैध निर्माण करता है। 90 प्रतिशत अवैध निर्माण ही होता है जिससे हमें प्रतिवर्ष करोड़ों रुपए राजस्व की हानि होती है तथा अवैध निर्माण को बढ़ावा मिलता है। अवैध निर्माण में बिल्डिंग विभाग के अधिकारी संलिप्त रहते हैं। मकान बनाने वाला जो भी व्यक्ति इन्हें पैसा नहीं देता वे उसका बिल्डिंग बुक कर देते हैं जिसके कारण इनका बिजली, पानी का कनेक्शन नहीं लग पाता है और उनके लिए जिंदगी भर परेशानी का सबब बन जाता है। अग्रवाल ने कहा कि मास्टर प्लान-2021 में रिहायशी क्षेत्रों में मीट की दुकानें खोलने की अनुमति होने की वजह से दिल्ली में छोटी-छोटी गलियों में भी मीट की दुकानें खोल दी गयी। इन दुकानों के कारण होने वाली बदबू से स्थानीय लोगों को नारकीय जीवन जीने को मजबूर होना पड़ता है जिसकी शिकायत क्षेत्रीय निगम पार्षदों को मिलती रहती है और उनके उपर जनता का काफी दबाव रहता है। अग्रवाल ने कहा कि निगम पार्षद रहते हुए उन्होंने पूर्वी नगर निगम की साधारण सभा में 27 अक्टूबर 2020 को एक प्रस्ताव लगाया था कि रिहायशी क्षेत्रों से मीट की दुकानों को हटाया जाए जोकि सर्वसम्मति से पारित किया गया था। अग्रवाल ने सुझाव दिया कि मीट की दुकानों को सिर्फ कमर्शियल सड़कों पर ही खोलने की इजाजत दी जानी चाहिए। चूंकि दिल्ली की जनता के सुझावों को मद्देनजर रखते हुए।

धर्म की इज्जत करना इंसान का कर्म है : हरदीप सिंह पुरी

● अफगानिस्तान से गुरुग्रंथ साहिब के तीनों स्वरुपों का भारत आगमन पर किया गया स्वागत

■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयास से काबुल से लाए गए ऐतिहासिक एवं हस्तलिखित गुरुग्रंथ साहिब के तीनों स्वरुपों को मंगलवार को केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता सरदार आर पी सिंह द्वारा दिल्ली एयरपोर्ट पर स्वागत एवं वंदन किया गया। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि अफगानिस्तान से लाए गए गुरुग्रंथ

साहिब के तीनों स्वरुप को महावीर नगर स्थित गुरुद्वारे में स्थापित किया जाएगा। धर्म की इज्जत करना इंसान का कर्म है और हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अभी तक 228 भारतीय नागरिक अफगानिस्तान से सुरक्षित भारत आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि जिन 228 भारतीयों को स्वदेश सुरक्षित लाया गया है, उनमें 77 सिख समुदाय के लोग भी शामिल हैं। पुरी ने इसके लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का धन्यवाद देते हुए कहा कि सिख जत्थों ने लोगों की सेवा की है। गुरुनानक देव ने जो सेवा करने की शिक्षा दी है, आज पूरा सिख समुदाय उसको मानता है। गुरुग्रंथ साहिब के तीनों स्वरुप के भारत आगमन पर प्रदेश भाजपा की तरफ से प्रदेश मंत्री सरदार इम्प्रीत सिंह बख्शी,भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री तजिंदर पाल सिंह बग्गा, प्रदेश प्रवक्ता आदित्य झा एवं बृजेश राय सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया और आतंकवाद के खिलाफ नारेबाजी की।

जामिया ने हकीम अजमल खान लिटरेरी रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर यूनानी मेडिसिन खाली करने का दिया नोटिस

■ नई दिल्ली

ज्वाइंट एक्शन कमेटी फॉर प्रमोशन ऑफ यूनानी मेडिसिन के अध्यक्ष एवं पूर्व संयुक्त सलाहकार यूनानी भारत सरकार डॉक्टर मोहम्मद शमून ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया में स्थापित हकीम अजमल खान लिटरेरी रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर यूनानी मेडिसिन को विश्वविद्यालय परिसर से खाली करने के नोटिस जारी करने पर चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि जामिया मिल्लिया इस्लामिया की तरफ से सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन यूनानी मेडिसिन (सीसीयूआरएम) आयुष मंत्रालय भारत सरकार को एक नोटिस भेजा गया है जिसमें कहा गया है कि जामिया परिसर में स्थापित वक्त इंस्टिट्यूट को तत्काल प्रभाव से खाली किया जाए। उनका कहना है कि आयुष मंत्रालय के आयुष विभाग की तरफ से जामिया को आर्थिक सहायता नहीं दिए जाने की वजह से इस इंस्टीट्यूट में चल रहे पीएचडी यूनानी कोर्स को वर्ष 2021 में बंद किया जा चुका है और अब जो समझौता सीसीआरयूएम और जामिया के बीच किया गया था उसमें दोनों तरफ से दिलचस्पी खत्म होती जा रही है। जामिया ने ऐसा लगता है कि सीसीआरयूएम को उक्त जगह को खाली करने का जो नोटिस जारी किया है उसके पीछे आर्थिक सहायता नहीं मिलना हो सकता है।

उनका कहना है कि जामिया की तरफ से जगह खाली करने की नोटिस की वजह से यहां पढ़ रहे यूनानी छात्रों का भविष्य अंधकारमय होता नजर आ रहा है।

कार्यक्रम चारों जोन में स्थानीय पार्षद व आरडब्ल्यूए के सहयोग से विशेष जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं

एसडीएमसी ने मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए चलाया जागरूकता अभियान

■ नई दिल्ली

दक्षिणी निगम द्वारा मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों को तेज करते हुए सभी वार्डो में व्यापक स्तर पर जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही डीबीसी कर्मचारियों द्वारा सभी वार्डो में ड़ेगू, मलेरिया, चिकनगुनिया के नियंत्रण के लिये कीटनाशक दवा का छिड़काव किया जा रहा है। डीबीसी कर्मचारियों द्वारा मच्छर प्रजनन का पता लगाने के लिए विशेष रूप से सरकारी कार्यालयों, निर्माण स्थलों, शिक्षण संस्थानों, जेजे कॉलोनियों, अस्पतालों, डीटीसी बस डिपों, पुलिस थानों का डीबीसी कर्मचारियों द्वारा लगातार निरीक्षण किया जा रहा है और मच्छर प्रजनन पाए जाने पर उल्लघंनकर्ताओं को चालान और सरकारी नोटिस जारी किए जा रहे है।

चारों जोन में स्थानीय पार्षद व आरडब्ल्यूए के सहयोग से विशेष जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं और जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा हैंडबिल स्टीकर बैनर लगाकर तथा ऑटों द्वारा बुनादी करवा कर लोगों को मच्छर जनित बीमारियों के बारें में जानकारी दी गई।

जनस्वास्थ्य विभाग लगातार मच्छरों की रोकथाम के लिए कई प्रयास कर रहा है, जिनमें जनजागरूकता अभियान, अंतरविभागीय समन्वय, कीटनाशकों का छिड़काव इत्यादि अन्य कार्यक्रमों का संचालन करना सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त लोगों को मच्छरजनित बीमारियों में अवगत कराने के लिए 5 लाख से अधिक एसएमएस किए गए। नागरिकों से आग्रह किया जाता है कि कि छत पर तथाअन्य स्थानों पर पानी की टंकियों को ढक कर रखेंए अपने घरों-कार्यालयों में आस-पास पानी जमा न होने दें, सभी कूलरों को सप्ताह में एक बार अवश्य साफ करें और दोबारा भरने से पहले सुखा लेंए जिन कूलरों को साफ नहीं किया जासकता उनमें टेमिफास ग्रेन्यूल्ज-पेट्रोल डालें। खाली व बेकार टूटी बोतलें कप, गमले तथा टायर खुले में न छोड़ें,जल जमाव वाले स्थलों पर केरोसिन-पेट्रोल-डीजल डाल दें ताकि मच्छरों की उत्पत्ति न हो। पानी को बेकार बहने न दें और प्रजनन की जांच करने वाले दल को निरीक्षण करने से मना न करें ।

टिकरी कलां में 50 टीपीडी क्षमता का लगेगा प्लास्टिक अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र

■ नई दिल्ली

उत्तरी दिल्ली नगर निगम के आयुक्त संजय गोयल ने बताया कि निगम अपने अधिकार क्षेत्र में एकल-प्रयोग प्लास्टिक को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के लिए विभिन्न कदम उठा रही है। उन्होंने बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने प्लास्टिक कचरा प्रबंधन नियम, 2016 और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दिशा निर्देशों के अनुसार टिकरी कलां में प्रतिदिन 50 टन, टीपीडी प्लास्टिक कचरा प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने जा रही है। उन्होंने बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम प्लास्टिक कचरे के पुनर्चक्रण प्रसंस्करण, पृथक्करण, संग्रह व परिवहन के कार्य के लिए अपशिष्ट प्रबंधन एजेंसियों को सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी है ताकि प्लास्टिक कचरे का पुनर्चक्रण-प्रसंस्करण व्यवस्थित रूप से किया जा सके। संजय गोयल ने बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में लगभग 4500 मीट्रिक टन ठोस अपशिष्ट उत्पन्न संग्रहित होता है। जिसमें से लगभग 450 मीट्रिक टन प्लास्टिक कचरा होता है जिसमें पुनर्चक्रण योग्य और गैर-पुनः उपयोग योग्य घटक शामिल हैं। उन्होंने बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम सिंगल यूज प्लास्टिक को खत्म करने और प्लास्टिक कचरा प्रबंधन नियम, 2016 को लागू करने के लिए कार्य योजना लेकर आयी है। संजय गोयल ने बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम के तीन क्षेत्रों से एकत्रित प्लास्टिक कचरे सहित 2000 टीपीडी ठोस अपशिष्ट के प्रसंस्करण के लिए नरेला-बवाना में पहले से ही एक अपशिष्ट प्रसंस्करण सुविधा चला रही है। उन्होंने बताया कि भलस्वा लैंडफिल से विरासती कचरे के जैव-खनन के माध्यम से एकत्र किए गए लगभग 350 टीपीडी आरडीएफ का उपयोग नरेला-बवाना में अपशिष्ट से ऊर्जा संयंत्र में भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्लास्टिक कचरे सहित ठोस कचरे के प्रसंस्करण के लिए आईओसीएल के सहयोग से एक एकीकृत अपशिष्ट से ऊर्जा संयंत्र भी प्रक्रिया में है। संजय गोयल ने बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम दैनिक जीवन में प्लास्टिक के उपयोग को हतोत्साहित करने के लिए आरडब्ल्यूए मार्केट एसोसिएशन एनजीओ के साथ समन्वय कर जागरूकता अभियान भी चला रही है। उन्होंने बताया कि कुल ठोस अपशिष्ट का लगभग 10 प्रतिशत प्लास्टिक कचरा होता है। संजय गोयल ने बताया कि सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को रोकने के लिए और एनजीटी के आदेश के अनुसार, उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने 31. जनवरी 2021 तक 1526 चालान किए हैं।

संसद की साख में गिरावट

तीव्र गति से माननीय सांसदों और विधायकों के वेतन-भत्ते, सुविधाएं, विशेषाधिकार तथा हर बार के चयन पर पेंशन लगातार बढ़ी है, यानी उनमें प्रगति हुई है! यह और बात है कि साथ ही साथ साख, सम्मान और प्रतिष्ठा में निरंतर गिरावट ही सामने आई है। भारत की संसद को केवल नए-नए नियमों और उपनियमों का ही स्रोत नहीं होना था। वह उसका आवश्यक उत्तरदायित्व था और रहेगा। मगर उसके साथ ही उससे दूसरी अपेक्षाएं भी थीं।

अपने 21 वर्ष के दक्षिण अफ्रीका प्रवास में मोहनदास करमचंद गांधी 1903 से 1913 तक जोहानीसबर्ग में रहे थे। वहां उनकी भेंट हेनरी पोलक से हुई जो कि 'क्रिटिक' पत्रिका के उप-संपादक थे। वे महामारी के दौरान गांधी के कार्यों और संगठन क्षमता से अत्यंत प्रभावित हुए और मित्र बन गए। तब तक गांधी वहां व्यवस्थित हो चुके थे। एक बार हेनरी पोलक गांधी को नेटाल जाने के लिए रेलवे स्टेशन छोड़ने आए। गांधी को जॉन रस्किन की पुस्तक 'अन्टू दिस लास्ट' देते हुए कहा कि आप रास्ते में इसे पढ़ लें। पुस्तक छोटी थी, गांधी ने कुछ घंटे में पूरी पढ़ ली। इस बारे में उन्होंने लिखा- 'इस पुस्तक को हाथ में लेने के बाद मैं छोड़ ही नहीं सका। इसने मुझे पकड़ लिया।' इसके पहले गांधी ने रस्किन की कोई किताब नहीं पढ़ी थी। सन 1819 में लंदन में जन्मे रस्किन ने कई पुस्तकें लिखीं थीं। 'मॉडर्न पेंटर्स' में उन्होंने लिखा था कि 'गति अपने आप में कोई प्रगति नहीं है।

एक घंटे में सौ मील का सफर करना या एक मिनट में एक हजार गज कपड़ा तैयार करना, ये हमें लेश मात्र भी शक्तिशाली, सुखी या ज्ञानी नहीं बनाएंगे। जितना मानव देख सकता है, इससे कितना अधिक इस दुनिया में अस्तित्व धारण किया हुआ है। वह हमेशा मंद गति से चलता है, पर त्वरापूर्ण गति में जरा भी अच्छा नहीं दिखेगा। त्वरापूर्ण बंदूक की गोली कुछ भी अधिक अच्छा काम नहीं देती और मनुष्य जो सच्चे अर्थ में मानव हो तो अपनी मंद गति में कोई क्षति नहीं देखेगा, क्योंकि उसका गौरव गति में नहीं, अस्तित्व में है।' गांधी रस्किन के 50 वर्ष बाद पैदा हुए थे। लेकिन उनकी पहली पुस्तक ने ही गांधी के जीवन में ह्यसबसे अधिक महत्व का रचनात्मक परिवर्तन कराया! निश्चित ही इसके बाद गांधी ने रस्किन की अन्य पुस्तकें भी पढ़ीं होंगी। नहीं भी पढ़ीं हों, तब भी कहा जा सकता है कि विज्ञान के युग के अवतरण के साथ जो परिवर्तन तेजी से आ रहे थे, उनके मानव जीवन पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव की गांधी की संकल्पना वही थी जो रस्किन की थी। दोनों के जीवन दर्शन में अद्‌भुत समानता थी।

गांधी ने 'अन्टू दिस लास्ट' का गुजरती अनुवाद स्वयं किया और उसका शीर्षक रखा- सर्वोदय! उन्होंने अपनी आत्मकथा में लिखा कि 'अन्टू दिस लास्ट' के अध्ययन से उन्होंने जो समझा, वह था- एक, सबकी भलाई में हमारी भलाई है। दो, वकील, नाई दोनों के काम की कीमत एक-सी होनी चाहिए, क्योंकि आजीविका का अधिकार सभी को एक सामान है। तीसरा यह कि सादा मेहनत-मजदूरी का किसान का जीवन ही सच्चा जीवन है। गांधी रस्किन की इसी पुस्तक को सर्वोत्तम मानते थे। रस्किन के अतिरिक्त गांधी जी अपने जीवन पर गहरा प्रभाव डालने वाली टॉलस्टॉय की पुस्तक 'किंगडम ऑफ हैवन इज इन योर हार्ट' को मानते थे। इन दोनों पुस्तकों के अतिरिक्त रायचंद भाई के सजीव संपर्क ने उन्हें प्रभावित किया। रस्किन, टॉलस्टॉय और रायचंद भाई ने गांधी के चिंतन को दिशा दी, उसे संवारा। वैश्वीकरण और अपरिमित संग्रहण के इस घोर भौतिकवादी युग में किसी भी युवा को यह जान-सुनकर अत्यधिक आश्चर्य होगा कि अत्यंत सुख-संपन्न-संतुष्ट जीवन जी रहा एक युवक किसी पुस्तक को पढ़ कर सारी रात उस पर चिंतन कर अगली सुबह उस जीवन को त्याग कर फीनिक्स आश्रम की स्थापना करने का निश्चय करे! जहां सब खेती करें, श्रम से जीविकोपार्जन करें, यानी सादा, मेहनत मजदूरी का जीवन जीयें! गांधी वहीं बस जाना चाहते थे, उन्हें अन्य की तरह तीन एकड़ जमीन मिली थी, उससे अपनी आजीविका प्राप्त करने के लिए श्रम करना चाहते थे और वकालत छोड़ देना चाहते थे। मगर वे वहां कुछ समय ही रह सके।

उन्होंने लिखा-'मैनें अकसर यह देखा है कि हम चाहते कुछ हैं और हो कुछ और ही जाता है।' पीड़ित और प्रताड़ित वर्ग की सेवा के प्रति प्रतिबद्ध होने के कारण वे अपना जोहानीसबर्ग का कार्यालय बंद नहीं कर सके। व्यक्ति विकास, व्यक्तित्व विकास, नैतिकता और चरित्र निर्माण के मूलभूत उत्तरदायित्वों से व्यवस्था पूरी तरह से बेखबर हो गई। इसे समझने के लिए आज की पीढ़ी के सामने सबसे बड़ा उदाहरण है अनादि काल से भारतीय संस्कृति में असीम सम्मान और श्रद्धा की पात्र रही गंगा नदी की भौतिक स्थिति में पिछले 70 सालों में हुए बदलाव। इसे जानने के लिए किसी ऐसे व्यक्ति से मिलिए जिसने 1950 के आसपास बनारस में गंगा में डुबकी लगाई हो, जब गंगा नैसर्गिक स्वरूप में स्वच्छ और पवित्र थी और कोई सरकारी योजना उसे निर्मल बनाने के लिए नहीं बनी थी। आज जब गंगा को निर्मल करने के लिए हजारों करोड़ की योजनायें पूर्ण हो चुकी हैं और और नई चल रही हैं, तो वह व्यक्ति गंगा के किनारे जाकर केवल आंसू बहा सकता है, उसके जल का आचमन नहीं कर सकेगा! क्या यही प्रगति का स्वरूप है?

प्रदूषण दूर करने में केवल धन के अपव्यय को गति मिलती रही है, प्रगति के स्थान पर दुर्गति ही सामने आई है। केवल गंगा ही प्रदूषित नहीं हुई है। ऐसा कौन सा क्षेत्र है जिसमें स्वतंत्रता के पश्चात घोर प्रदूषण और नैतिक ह्रास दिखाई न देता हो? प्रजातंत्र में संसद और विधानसभाएं अत्यंत पवित्र स्थल माने जाने चाहिए, जहां से सामान्य नागरिक को न्याय, समानता, संरक्षण और सहायता की अपेक्षा रहती है। हर चयनित प्रतिनिधि पंच-परमेश्वर का रूप होता है। भारत की संसद को केवल नए-नए नियमों और उपनियमों का ही स्रोत नहीं होना था। वह उसका आवश्यक उत्तरदायित्व था और रहेगा। मगर उसके साथ ही उससे दूसरी अपेक्षाएं भी थीं। पहली तो यही कि उसकी अपनी कार्य पद्धति का गरिमामय, अनुकरणीय व जनहितकारी संचालन। जब प्रारंभ में सांसदों को कोई वेतन नहीं मिलता था, केवल कुछ रुपए का भत्ता मिलता था, उस समय की उनकी कार्य पद्धति को आज सभी भूल चुके हैं। तीव्र गति से माननीय सांसदों और विधायकों के वेतन-भत्ते, सुविधाएं, विशेषाधिकार तथा हर बार के चयन पर पेंशन लगातार बढ़ी हैं, यानी उनमें प्रगति हुई है! यह और बात है कि साथ ही साथ साख, सम्मान और प्रतिष्ठा में निरंतर गिरावट ही सामने आई है।

यह उद्धरण गति और प्रगति के संबंधों को समझने में सहायक हो सकता है। सामान्य रूप से गति का संबंध केवल मशीनों से जोड़ कर देखा जाता है। गांधी और रस्किन ने उसी संबंध को पूरी तरह समझ लिया था। हिंद स्वराज में मशीनों पर जिस गहरी संवेदनशीलता से गांधी ने लिखा था, उसे आज समझ पाना आसान नहीं है। उन्होंने लिखा था कि मैनचेस्टर ने हमें जो नुकसान पहुंचाया है, उसकी तो कोई हद ही नहीं है। हिंदुस्तान से कारीगरी जो करीब-करीब खत्म हो गई, वह मैनचेस्टर का ही काम है। लेकिन गांधी सारा दोष अंग्रेजों पर नहीं मढ़ते हैं। वे स्पष्ट करते हैं- 'मैनचेस्टर को दोष कैसे दिया जा सकता है? हमने उसके कपड़े पहने तभी तो उसने कपड़े बनाए।' हमने जिस तेज गति से रासायनिक उर्वरकों का उपयोग किया, ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, इत्यादि को प्रफुल्लित होकर अपना कर श्रम से मुक्ति पाई, उसने गांवों को उजाड़ कर रख दिया है।

प्लास्टिक का उपयोग जिस तेजी से अपनाया गया, उससे छुटकारा पाना अब असंभव हो रहा है। जीवन का हर पक्ष परिवर्तन को बिना विश्लेषण के स्वीकार कर लेने के कारण गहरे नकारात्मक परिणाम देता रहा है। परिवर्तन हर तरफ है। अवश्यंभावी है। लेकिन हर परिवर्तन प्रगति नहीं लाता, न ही हर बढ़ती गति प्रगति ही लेकर आती है। इस संबंध का गहन विश्लेषण आवश्यक है। उतना परिवर्तन ही स्वीकार्य होना चाहिए, जितना देश, काल और परिस्थिति के साथ समन्वित हो सके।

प्रवीण कुमार सिंह

संपादकीय

अफगान से सीख ले पूरी दुनिया

अफगानिस्तान के हालात बता रहे है कि आतंकवाद से निपटने में अगर वैश्विक समुदाय ने इच्छाशक्ति नहीं दिखाई तो भविष्य में हालात और भी बदतर होते चले जाएंगे। दूसरे और देश भी आतंकवाद की जद में आते जाएंगे। बेहतर है कि सभी एकजुटता प्रदर्शित करें।

अफगानिस्तान में तालिबान के शासन के बाद यह तो साबित हो गया है कि उसमें अकेले तो इतनी ताकत नहीं थी कि वह देखते-देखते देश पर कब्जा करने की सोचता। तालिबान की इस मंशा को पाकिस्तान ने हवा दी और आगे बढ़ने का हौसला दिया। पाकिस्तान को लगता है कि अफगानिस्तान में तालिबान को काबिज कर वह भारत के खिलाफ अपनी लड़ाई में भारी पड़ सकता है। कुछ लोग इस राय से जुदा होंगे, लेकिन आज अफगानिस्तान के हालात पर पूरे पाकिस्तान में जिस तरह से खुशी जताई जा रही है, वह यह बताने के लिए काफी है कि पड़ोसी मुल्क में अब इतनी कुव्वत नहीं रह गई है कि आमने-सामने मुकाबला कर सके। खैर, तालिबान को प्रश्रय देकर पाक अपने मंसूबे में सफल हो गया है तो इससे भारत की चिंता नहीं बढ़ी, ऐसा मानना बेमानी होगा। अफगानिस्तान के हालात पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत ने जो चिंताएं रखी हैं, उनका सरोकार सभी देशों से है।

ज्यादातर देश किसी न किसी रूप में आतंकवाद और मुल्कों के टकराव से होने वाली अशांति के खतरों से जूझ रहे हैं। भारत ने साफ कहा है कि अफगानिस्तान के हालात न सिर्फ क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक शांति के लिए भी गंभीर चुनौती बन गए हैं। भारत ने एक फिर दोहराया है कि अब किसी भी तरह से दुनिया से आतंकवाद का खात्मा करना होगा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सुरक्षा परिषद के विशेष सत्र में पाकिस्तानका नाम लिए बिना उन देशों को आड़े हाथों लिया जिनका मूल काम आतंकवाद को बढ़ावा देना है। अफगानिस्तान में सत्ता पलट के घटनाक्रम से सबसे ज्यादा जो देश प्रभावित हुए हैं उनमें भारत भी है। इसलिए अब सुरक्षा परिषद में अफगानिस्तान के मुद्दे पर भारत कुछ रहा है तो उसकी अहमियत ज्यादा ही है। भारत ने जिस सबसे गंभीर मुद्दे पर वैश्विक समुदाय का ध्यान खींचा है वह आतंकी संगठनों को बढ़ावा देने वाले देशों को लेकर है। सवाल है कि इन देशों से निपटने की रणनीति क्या बने?

वैश्विक अनुभव भी यही बता रहा है कि अफगनिस्तान में तालिबान को सत्ता तक पहुंचाने में पाकिस्तान की भूमिका भी कम बड़ी नहीं रही है। कहा जाता है कि उसने तालिबान के लिए लड़ाके तैयार किए और सैन्य मदद भी दी। ढाई दशक पहले जब तालिबान ने सत्ता पर कब्जा किया था तब भी उसे पाक ने समर्थन दिया था। आज भी पाक का तालिबान को खुला समर्थन है। लेकिन ज्यादा चिंता की बात तो यह है कि अबकी बार चीन, रूस, बांग्लादेश जैसे कई और मुल्क तालिबान को समर्थन देने से परहेज नहीं कर रहे। ऐसे में तालिबान की ताकत को बढ़ने से रोक पाना इतना आसान नहीं है। जहां तक सवाल है भारत का, तो तालिबान वही करेगा जो पाकिस्तान चाहेगा। कुल मिला कर हालात इतने जटिल हो गए हैं कि आतंकी देशों पर लगाम लगाने कूटनीतिक उपायों के आसार बढ़ चले हैं। भारत और अमेरिका जैसे देशों के प्रयास भी इसी रुझान का संकेत दे रहे हैं।

दूसरा डोज मतलब पूरी सुरक्षा

कोरोना महामारी के विरुद्ध पूरी तरह से रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने के लिए वैक्सीनेशन काफी कारगर साबित हो रहा है। वैज्ञानिक तथ्य भी यही कहते हैं कि वैक्सीन के दोनों डोज समय पर लग जाने से व्यक्ति के कोरोना संक्रमित होने की संभावना 93 प्रतिशत तक घट जाती है। साथ ही अस्पताल में भर्ती मरीजों की मृत्यु की संभावना भी नगण्य हो जाती है। प्रदेशवासियों को कोरोना संक्रमण से बचाने के लिए संवेदनशील राज्य सरकार लक्षित समूह को वैक्सीन का सुरक्षा कवच देने के लिए कटिबद्ध है। वैक्सीनेशन का शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर 25 एवं 26 अगस्त को दो दिवसीय टीकाकरण महाअभियान चलाया जाएगा।

कोरोना संक्रमण की पहली और दूसरी लहर ने विश्व के अधिकांश देशों को अपनी चपेट में ले लिया था। कोरोना काल में अनेक ने अपनी जान भी गंवाई। कोरोना के साथ लड़ाई में भारत ने कम समय में स्वदेशी वैक्सीन तैयार कर एक अनूठा उदाहरण पूरे विश्व के सामने प्रस्तुत किया। वैक्सीन का निर्माण जितनी तेजी से किया गया, उतनी ही रफ्तार से सभी प्रदेशों में वैक्सीन पहुंचाई भी गई। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने सबको वैक्सीन-निशुल्क वैक्सीन का मंत्र देकर वैक्सीन तक सभी की पहुंच सुनिश्चित की। वैक्सीन की उपलब्धता के साथ उसके उपयोग में मध्यप्रदेश पूरे राष्ट्र में अग्रणी रहा।

कोरोना महामारी से बचाव के तौर पर रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने के लिए कोविड-19 के दोनों डोज लगवाना अत्यंत ही आवश्यक है। कोविड-19 टीके का प्रथम डोज मनाव शरीर में आंशिक सुरक्षा प्रदान करता है, जिसके लगने के बाद भी संक्रमित होने का खतरा बना रहता है। वैक्सीन का द्वितीय डोज समयावधि में लगवाने से वैक्सीन की एफिकेसी सर्वाधिक रहती है। प्रदेश में अभी दो प्रकार की वैक्सीन कोविशील्ड और कोवैक्सीन लगाई जा रही है। चिकित्सकीय एवं वैज्ञानिक आधार पर कोविशील्ड वैक्सीन की प्रथम डोज लेने के 84 दिन बाद द्वितीय डोज और कोवैक्सीन की प्रथम डोज लेने के 28 दिन बाद द्वितीय डोज लेना जरूरी है। वैक्सीन की द्वितीय डोज लगने के दो से तीन सप्ताह बाद ही शरीर में कोरोना बीमारी के विरुद्ध प्रतिरोधक क्षमता पूर्ण रूप से विकसित होती है।

साथ ही शरीर एक से अधिक प्रकार की एंटीबॉडी तैयार करता है जो कोरोना और उसके अन्य वेरिएंट के विरुद्ध बचाव करने में बेहद सहायक होती है।

कोरोना महामारी से बचाव के तौर पर रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने के लिए कोविड-19 के दोनों डोज लगवाना अत्यंत ही आवश्यक है। वैक्सीनेशन के दोनों डोज लगवा लेने के बाद काफी हद तक कोरोना संक्रमण का प्रभाव कम हो जाता है। इसके बावजूद भी सजग और सतर्क रहने की नितांत आवश्यकता है। कोरोना वायरस के प्रति अनुकूल व्यवहार को अपनाते रहना होगा, जिसमें मास्क लगाना सबसे जरूरी है।

महाअभियान को सफल बनाने जन-भागीदारी भी जरूरी है। कोरोना से बचाव के लिए वैक्सीनेशन सिर्फ सरकार की ही नहीं, समाज की जिम्मेदारी भी है। हर नागरिक को स्व-प्रेरणा से आगे आकर सरकार द्वारा दिए जा रहे वक्सीन के सुरक्षा कवच को अपनाना होगा। यह अतिश्योक्ति नहीं होगी कि मध्यप्रदेश में वैक्सीनेशन के लिए चलाए गए प्रथम टीकाकरण महाअभियान में राष्ट्रीय स्तर पर जो सफलता मिली, उसमें जन-भागीदारी की महत्ता को नकारा नहीं जा सकता है। प्रदेश में वैक्सीनेशन महाअभियान का दूसरा चरण 25 एवं 26 अगस्त को होने जा रहा है। प्रथम महाअभियान की तरह इस महाअभियान में भी राज्य के प्रयासों के साथ जनता की भागीदारी भी बहुत जरूरी होगी।

यूं तो वैक्सीनेशन की दोनों डोज लगवा लेने के बाद काफी हद तक कोरोना संक्रमण का प्रभाव कम हो जाता है। इसके बावजूद भी सजग और सतर्क रहने की नितांत आवश्यकता है। कोरोना वायरस के प्रति अनुकूल व्यवहार को अपनाते रहना होगा, जिसमें मास्क लगाना, हाथों को समय-समय पर सेनेटाइज करना, ज्यादा भीड़-भाड़ न करना और न ही उसमें शामिल होने जैसी गतिविधियों को अपनाते रहना होगा। तभी हम अपने आपको और समाज को कोरोना वायरस से बचा पाएंगे। राज्य सरकार ने कोरोना संक्रमण को खत्म करने के लिए जो भगीरथी प्रयास किए वह किसी से छिपे नहीं हैं। कोरोना की जांच से लेकर उपचार की जो व्यवस्थाएं की गई, उससे प्रदेश में कोरोना संक्रमण को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सका है। वैक्सीन का सुरक्षा कवच हर नागरिक को मिल जाए, यह प्रयास राज्य की संवेदनशील सरकार ने किया है। इन प्रयासों में आम नागरिक के साथ धर्मगुरुओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवी संस्थाओं, कोरोना वॉलेंटियर्स, शहरी-ग्रामीण जन-प्रतिनिधियों के साथ समाज के हर वर्ग को आगे आकर अपनी नैतिक जिम्मेदारी के साथ वैक्सीनेशन महाअभियान में सहयोग करना होगा। वैक्सीनेशन के आंकड़ों पर यदि नजर डाले तो हम पाएंगे कि मध्यप्रदेश में वैक्सीनेशन के लिए लक्षित समूह की संख्या पांच करोड़ 49 लाख है, जिसके विरुद्ध अब तक प्रदेश में चार करोड़ से अधिक लोगों को वैक्सीन के डोज लगाए जा चुके हैं। इनमें से वैक्सीन की दूसरी डोज 65 लाख से अधिक लोगों को लग चुकी है। वैक्सीनेशन का लक्ष्य पूरा करने के लिए मध्यप्रदेश में टीकाकरण महाअभियान का दूसरा चरण 25 अगस्त से प्रारंभ किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य वैक्सीन के दूसरे डोज का कवरेज बढ़ाना भी है।

तेजी से फैल रहा कोरोना का संक्रमण बेहद जानलेवा साबित हो रहा है। ऐसे में युवाओं के लिए भी वैक्सीन लगवाना बेहद जरूरी हो गया है, क्योंकि वैक्सीनेशन के बाद गंभीर बीमारी और उससे मौत होने का खतरा काफी कम हो जाता है. युवाओं के लिए वैक्सीन लगवाना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि युवा तेजी से कोरोना के नए वैरिएंट से संक्रमित हो रहे हैं। वैक्सीन लगवाने से कोरोना फैलने का खतरा काफी हद तक कम हो सकता है और लोग सामान्य जीवन की ओर बढ़ सकते हैं। कई देशों में भी देखा गया है कि वैक्सीनेशन के बाद लोग सामान्य जीवन की ओर बढ़ने लगे हैं। वहीं, आंकड़ों के मुताबिक, देश की 38 फीसदी आबादी 19 से 44 उम्र के लोगों की है।

वैक्सीन को लेकर पहले हिचकिचाहट सब में थी लेकिन जैसे-जैसे कोविड हावी हुआ तो लोगों को एहसास हो गया कि वैक्सीनेशन लेना बेहद जरूरी है। वैक्सीन लेने की वजह से वो लोग क्रिटिकल नहीं हुए हैं और उनका इलाज घर पर हो गया है। इन हालातों को मद्देनजर रखते हुए दूसरी लहर के दौरान सबकों ये पता चला की दूसरी लहर में कोविड का वायरस युवाओं पर भी हावी हो रहा है। अगर सरकार वैक्सीन की सुविधा दे रही है, तो इसमें बिल्कुल भी हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए। हर व्यक्ति को कोविड वैक्सीन लगवानी चाहिए। कोविड वैक्सीन को लेकर ये नहीं सोचना चाहिए कि इसको लेकर कोई तकलीफ होगी। जैसे हर वैक्सीन के थोड़े बहुत साइड इफेक्ट्स होते हैं, जैसे सिर दर्द या बुखार आना तो वो हर वैक्सीन में होते हैं लेकिन हमने देखा है कि वैक्सीनेशन लेने के बाद कोई गंभीर रूप से बीमार नहीं हुआ है। दुनिया भर के अधिकतर देशों में कोविड-19 से बचाव के लिए लोगों का टीकाकरण किया जा रहा है। अधिकतर देशों में दो खुराकें दी जा रहीं हैं।

ट्विटर

अफगानिस्तान के हालात पर भारत ने अपने रुख से दुनिया को परिचित करा दिया है। अब वैश्विक समुदाय की जिम्मेदारी है, वह अफगान मसले पर आगे आए।

एस जयशंकर, विदेश मंत्री

अफगानिस्तान के हालात अच्छे नहीं हैं। वहां आतंक का राज होना यह बताता है कि दुनिया में खतरा बढ़ सकता है। अफगान के लोगों के मानवाधिकार की चिंता है।

एंटोनिया गुतारेस, यूएन महासचिव

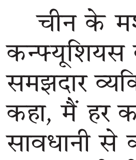

सत्यार्थ

भौतिक सुख से शांति नहीं

चीन के मशहूर दार्शनिक कन्फ्यूशियस के पास एक बहुत समझदार व्यक्ति पहुंचा। उसने कहा, मैं हर काम बहुत सावधानी से करता हूं। मेरा स्वास्थ्य भी ठीक रहता है। मुझे सफलता भी मिल जाती है, लेकिन अशांत बहुत रहता हूं। आपके पास शांति की तलाश में आया हूं। उस समय चीन में अलग-अलग राज्य बन चुके थे। एक-दूसरे पर लोग आक्रमण करते थे। कन्फ्यूशियस बहुत समझदार व्यक्ति थे तो लोग उनके पास अपनी समस्याएं लेकर आते थे। कन्फ्यूशियस ने उस व्यक्ति से कहा, एक बात बताओ, तुम देखते, सुनते कैसे हो, स्वाद कैसे लेते हो? व्यक्ति ने कहा, मैं आंखों से देखता हूं, कानों से सुनता हूं और जीभ से स्वाद लेता हूं। कन्फ्यूशियस ने कहा, तुम जितना आंखों से देखते हो, उससे कहीं ज्यादा मन से देखते हो, तुम्हारा मन कानों से ज्यादा सुनता है, तुम्हें लगता है कि जीभ स्वाद ले रही है, लेकिन असली स्वाद तो मन ले रहा होता है। जब तक ये तीनों काम मन कर रहा हो, दुनिया में कोई शांत नहीं हो सकता है। सबसे पहले मन को नियंत्रित करना चाहिए। केवल आंखों से देखें, जीभ को ही स्वाद लेने दो, कानों को ही सुनने दो, मन को इन कामों से अलग रखो। हमें लगता है कि हमारे शरीर के बाहरी अंग काम कर रहे हैं, लेकिन इन अंगों से ज्यादा हमारा मन काम करता है, जिसका मन व्यर्थ कामों में भटकता है, उन्हें शांति नहीं मिलती है। मन बहुत ज्यादा सक्रिय होगा तो हम अशांत ही रहेंगे। मन को काबू करें और व्यर्थ कामों से अलग रखेंगे तो शांति जरूर मिलेगी।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

लखनऊ में ब्रह्मोस के नेक्स्ट जेनरेशन मिसाइल के उत्पादन की योजना

मुख्यमंत्री से ब्रह्मोस एरोस्पेस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबन्ध निदेशक ने भेंट की

- परियोजना के लिए लखनऊ में आवश्यक भूमि सहित अन्य सभी सुविधाएं उपलब्ध कराएगी सरकार : योगी
- डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर के तहत तैयार की जा रही योजना

लखनऊ, 24 अगस्त **(एजेंसी)** । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मंगलवार को यहां उनके सरकारी आवास पर ब्रह्मोस एरोस्पेस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबन्ध निदेशक डॉ.सुधीर कुमार मिश्रा ने भेंट की। उन्होंने मुख्यमंत्री को ब्रह्मोस परियोजना की वर्तमान गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर के तहत लखनऊ में ब्रह्मोस के नेक्स्ट जेनरेशन मिसाइल के उत्पादन की योजना है। मुख्यमंत्री ने डीआरडीओ, रक्षा मंत्रालय की इस पहल का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार इस परियोजना के लिए लखनऊ में आवश्यक भूमि सहित अन्य सभी सुविधाएं उपलब्ध कराएगी। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव गृह एवं यूपीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अवनीश कुमार अवस्थी, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एवं सूचना संजय प्रसाद तथा जिलाधिकारी लखनऊ अभिषेक प्रकाश उपस्थित थे। ज्ञातव्य है कि ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल को डीआरडीओ भारत सरकार तथा एनपीओएम, रूस सरकार के संयुक्त उपक्रम ब्रह्मोस एरोस्पेस द्वारा परिकल्पित, विकसित एवं उत्पादित किया जा रहा है। वर्तमान में भारतीय थल, जल एवं वायु सेना द्वारा इसका उपयोग किया जा रहा है। ब्रह्मोस के नेक्स्ट जेनरेशन मिसाइल के उत्पादन के लिए लगभग 200 एकड़ भूमि की आवश्यकता होगी। इस परियोजना को पूर्ण करने के लिए लगभग 300 करोड़ रुपए की धनराशि निवेशित की जाएगी।

दस हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

ब्रह्मोस के नेक्स्ट जेनरेशन मिसाइल के उत्पादन की योजना के लिए एन्सिलरी यूनिट्स भी स्थापित होंगी। इनके माध्यम से लगभग 10,000 लोगों को रोजगार मिलेगा। लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण होने से उत्तर प्रदेश देश का एरोस्पेस और डिफेंस हब बनने की ओर तेजी से अग्रसर होगा। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में लखनऊ वैश्विक मानचित्र पर स्थापित होगा। इस परियोजना से डिफेंस कॉरिडोर को गति मिलेगी। ब्रह्मोस मिसाइल के विभिन्न सिस्टम तथा सब-सिस्टम के निर्माण से जुड़ी 200 से अधिक औद्योगिक इकाइयां भी परियोजना के निकट अपनी उत्पादन इकाइयां स्थापित करने की ओर अग्रसर होंगी।

शिक्षकों व छात्रों की समस्याओं के समाधान की मांग

मवाना,24 अगस्त **(एजेंसी)** । भारती महिला एवं जनकल्याण समिति व मवाना कोचिंग संघ की ओर से शिक्षा वातावरण बहाल करने सहित शिक्षको व छात्रों की समस्याओं के समाधान हेतु दस सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। दिये गये ज्ञापन में समिति के अध्यक्ष रियाजुददीन मलिक ने बताया कि कोचिंग संघ के शिक्षा वातारण बहाल कार्यक्रम के तत्वाधान में शिक्षक व छात्र एकत्र हुए ओर तहसील में ज्ञापन देते हुए बताया कि प्ले स्कूल से लेकर उच्च कक्षा तक बची हुई प्रत्येक कक्षा शुरू करने, पूरी क्षमता तथा पूरे घंटे चलाने, लॉक डाउन में आर्थिक रूप से कमजोर हुए परिवारों को शिक्षा जारी रखने के लिए विशेष सहायता, अभिभावकों को राहत हेतु प्राइवेट स्कूलों में भी सरकारी किताबे व ड्रेस उपलब्ध कराने, स्कूल खोलने या न खोलने व छात्रों के स्कूल जाने या न जाने का फैसला स्कूल प्रबंधकों तथा छात्रों पर छोड़ने, स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, मदरसे सहित सभी शिक्षण संस्थानों में पूर्व की भांति शिक्षा वातावरण बहाल करने आदि मांग रखी। इस दौरान यहां पर रियाजुद्दीन मलिक, बिलाल , नकीब, अहमद फराज, मौलाना मुबीन, साजिद प्रधान, मास्टर फैसल, राहिल, अनमोल आदि अनेक संख्या में मौजूद रहे।

मवाना में किसानों की भूमि पर किया अवैध कब्जा

मवाना,24 अगस्त **(एजेंसी)** । फलावदा के कुंडा कांड के बाद अब गडीना गांव में दो किसानों की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया है। पीडित किसान पुलिस प्रशासन चक्कर काट रहे है। मंगलवार को गडीना निवासी नरेश ने एसडीएम के यहां शिकायत करते हुए बताया कि वह सीधा सादा कानून को मानने वाला ईमानदार व्यक्ति हैं, जबकि भूमाफियाओं से मिल कर गांव के महाराज उसके अन्य लोगों ने अवैध हथियार रखते है।

उन्होंने पीड़ित के साथ रंजिश रखते हुए प्रार्थी का खसरा नं 131 व खसरा नं 00105 रकबा 0.9390 है भूमि स्थित ग्राम कन्दाला परगना हस्तिनापुर तहसील मवाना भूमिधर बो जोत द्वारा मालिक एवं काबिज हैं। आरोप हे कि उक्त भूमाफियों ने अपनी मूठमर्दी के बल पर 15 बीघा जमीन पर व चक पर जाने वाले रास्ते पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया हैं मना करने पर अमादा फौजदारी आते हैं। पीड़ित नरेश ने मंगलवार को एसडीएम ने शिकायत करतें हुए भूमाफियों द्वारा अवैध रूप से कब्जाई गई भूमि मुक्त कराने की मांग की है।

दूसरी ओर फलावदा के गांव गडीना निवासी सत्यवती ने मंगलवार को एसडीएम से शिकायत करते हुए बताया कि वह सीधी सादी कानून को मानने वाली ईमानदार महिला हैं जबकि भूमाफियाओं ने उसकी भी खसरा नं 551-589 रकबा 0.7440 है । आरोप है कि उपरोक्त भूमि पर जबरन माफियाओं ने दबंगता के साथ गन्ना फसल काटकर मार्च माह में ट्राली में भरकर ले गये ।

प्रार्थिनी ने मना किया लेकिन विपक्षीगण बाज नही आये तथा दिनांक 23-3-2021 को भी एक ट्राली गन्ना काटकर उसको भरकर भी ले गये प्रार्थिनी के मना करने पर प्रार्थिनी को विपक्षीगण फोनी व नरेन्द्र ने कट्टे से फायर कर दिया था।

सार संक्षेप

सर्किट हाउस में जागरूकता शिविर आज

मेरठ। जिला प्रोबोशन अधिकारी शत्रुघ्न कनौजिया ने बताया कि 25 अगस्त को सुबह 10 बजे से सर्किट हाउस में राज्य महिला आयोग के निर्देश के क्रम में पात्र बच्चों को उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना का लाभ दिलाए जाने व महिलाओं से संबंधित योजनाओं का महिलाओं को अधिक से अधिक लाभ दिलाए जाने तथा महिला उत्पीड़न की रोकथाम व उनकी समस्याओं के निस्तारण आदि विषय पर जागरूकता शिविर व जनसुनवाई कार्यक्रम राज्य महिला आयोग की सदस्य राखी त्यागी की अध्यक्षता में किया जाएगा।

डीएम ने किया पीईटी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

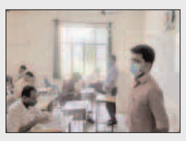

मेरठ। जिलाधिकारी के.बालाजी ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा कराए जा रहे प्रिलिमनरी एलिजिबिलिटी टेस्ट (पीईटी) परीक्षा के परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर वहां की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने सिटी वोकेशनल पब्लिक स्कूल कैंट, दीवान ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्हें वहां सभी व्यवस्थाएं ठीक मिली। इस अवसर पर अपर जिला अधिकारी नगर अजय तिवारी व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बैंक से पैसे निकालने जा रही महिला की ट्रेन से कटकर मौत

फरुखाबाद। बैंक से पैसे निकालने जा रही महिला की पैसेन्जर ट्रेन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। ट्रेन के गार्ड ने गाडी को रोककर महिला के शव को गुमटी पर रखा। सूचना मिलने पर याकूतगंज चौकी प्रभारी मौके पर पहुंच गए और शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया। जिस पर पिता ने अपनी पुत्री के रूप में शव की शिनाख्त कर ली। शव को देख परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। विवरण के अनुसार कोतवाली फतेहगढ़ क्षेत्र के अन्तर्गत याकूतगंज की रहने बाली पूजा पत्नी स्व.राजेश की उस समय ट्रेन से कटकर मौत हो गई। जब वह अपने घर से पैसे निकालने के लिए महरूपुर सहजू स्थित ग्रामीण बैंक जा रही थी। आस पास के लोगों ने बताया कि हादसा होने के बाद ट्रेन को रोका गया और गार्ड ने शव को गुमटी पर रखवाया। उसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। जिस पर याकूतगंज चौकी प्रभारी अमित फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव की शिनाख्त करने का प्रयास किया। उसी दौरान याकूतगंज निवासी जगदीश पुत्र मेवाराम ने शव की शिनाख्त अपनी पुत्री पूजा के रूप में की। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम कराया।

गंगा का जल स्तर बढने से ग्रामीणों की धड़कनें तेज

फर्रुखाबाद। गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। जिससे ग्रामीणों की धड़कनें भी तेज हो गई हैं। ग्रामीण लगातार भयजदा है। तहसील अमृतपुर क्षेत्र के ग्राम करनपुर घाट के निकट गंगा की तेज धारा फिर पंहुच गई है। बीते दो दिन से लगातार बढ़ रहे गंगा में पानी नें तराई क्षेत्र के ग्रामीणों। की धड़कनें तेज कर दी है।

सड़कों के गड्ढ सही कराने की मांग

पूर्व विधायक ने तहसील में दी धरने की चेतावनी

मवाना,24 अगस्त **(एजेंसी)** । पूर्व मंत्री व पूर्व विधायक प्रभुदयाल बाल्मीकि ने मंगलवार को एसडीएम के यहां ज्ञापन सौपतें हुए बताया कि छोटा मवाना में काफी समय से सड़क टूटी हुई है। जिस कारण लोगों को आवागमन में भारी समस्या का सामना करना पडता है। यहीं सड़कों के हालात मवाना में गार्डन सिटी मंडप के बाहर है। सडक पर वाहनों को आगमन अधिक होने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रोजना सड़क दुर्घटना होती रहती है। बरसात के समय में सड़कों पर बने गड्ढों में जल भरने के कारण लोग गिर जाते है ओर वाहनों को भी क्षति पहुंच जाती है। मंगलवार को पूर्व विधायक ने तहसील में ज्ञापन सौंपते हुए चेतावनी दी है कि अगर लोकनिर्माण विभाग द्वारा इस मामले में कोई एक्शन नहीं लिया तो वह तहसील में 15 दिन बाद धरना देने पर विवश होगे। इस मौके पर ज्ञापन सौंपने में केपी यादव, एस राजपुत, दयांनद गुर्जर, अवधेश शर्मा, कंबर जैदी, सतपाल गुर्जर, राहुल कुमार व संजय आदि मौजूद रहे।

बिजली विभाग पर लगाया उपभोक्ता को परेशान करने का आरोप

अखिल भारतीय उपभोक्ता ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मवाना,24 अगस्त **(एजेंसी)** । अखिल भारतीय उपभोक्ता परिषद ने मंगलवार को एसडीएम ने यहां ज्ञापन सौंपते हुए बिजली विभाग पर लोगों की जेब में डाका डालने का आरोप लगाया है। परिषद के अध्यक्ष नूर मोहम्मद ने मंगलवार को एसडीएम के यहां दिए गए ज्ञापन में बताया कि विद्युत विभाग द्वारा विद्युत बिलों के माध्यम से नागरिकों की जेब पर डाका डाला जा रहा है । कोरोना महामारी के चलते लोग आर्थिक तंगी से गुजर रहे है। विद्युत बिलों पर सरचार्ज मीटर चार्ज एवं उपभोक्ता की और ऐरियर आधी दर्शा कर उपभोक्ताओं का शोषण कर रहे है। यह है कि उपभोक्ता से कनैक्शन व घर से लाईन खिचते समय सारी वसूली कर ली जाती है । अन्य कई कारणों से विद्युत विभाग उत्तर प्रदेश में भष्टाचार चर्म सीमा पर है । यह है कि नगर मवाना व अन्य नगर निकाये क्षेत्र में भी आबादी पचास हजार या लाखों की संख्या होने पर भी विद्युत बिल की राशि जमा कक्ष मात्र एक एक ही बनाए हुएं । जिसमें वृद्ध महिला अस्वस्थ नागरिकों को भी विद्युत बिल जमा करने के लिए मीलों दूर जाना पड़ता है । विद्युत बिलों की भाषा हिन्दी में कराई जाए व उपभोक्ता विद्युत कन्कशन देने के समय विभाग की नियम व शार्ता से अवगत कराया जाए।

कांग्रेस ने शुरू की प्रभारियों की नियुक्ति

फर्रुखाबाद,24 अगस्त **(एजेंसी)** । जिला कांग्रेस कमेटी की आवश्यक बैठक जिला कांग्रेस कार्यालय स्थित नगला दीना भोलेपुर फतेहगढ़ पर संपन्न हुई। उक्त बैठक में जिला कांग्रेस अध्यक्ष विजय कटियार ने कहा कि 12 सितंबर 2021 तक जनपद फर्रुखाबाद के प्रत्येक ब्लॉक में न्याय पंचायत अध्यक्ष के माध्यम से प्रत्येक ग्राम में ग्राम सभा अध्यक्ष का चयन किया जाएगा एवं ग्राम सभा कमेटी का गठन किया जाएगाए ग्राम सभा अध्यक्ष एवं कमेटी के गठन में पंचायत चुनाव में लड़े व्यक्तियों को प्राथमिकता दी जाएगी।

जिनकी औसतन उम्र 25 से 40 वर्ष के बीच होगी स युवा खिलाड़ी सामाजिक कार्यकर्ताए जाति। समाज के प्रभावशाली व्यक्तियों को प्राथमिकता दी जाएगी 1 ग्राम सभा कमेटी मेंए ग्राम सभा अध्यक्षए तीन उपाध्यक्ष ;जिसमें एक महिलाए एक बुजुर्ग एक युवा हर वार्ड से एक सचिव, 2 वार्ड को मिलाकर एक महासचिव बनाया जाएगाए कमेटी में हर पुरबा, टोला और मजरे से लोग होंगे स 30 लोगों की अधिकतम कमेटी होगी।

सड़क हादसे में दो महिलाओं सहित तीन की मौत

फर्रुखाबाद,24 अगस्त **(एजेंसी)** । हादसे में दो महिलाओं सहित तीन के मर जाने व 11 लोगों के घायल होने से कोहराम मच गया। थाना जहानगंज के ग्राम अजी जलपुर निवासी अमरुउद्दीन की 45 वर्षीय पत्नी कसीदा बेगम, स्वर्गीय अतीक खां की 60 वर्षीय पत्नी मुनीजा आदि अनेको लोग जनपद एटा के ग्राम नगला नदरौला मे इंतकाल के कार्यक्रम में गए थे। सभी लोग तीन बोलेरो में सवार होकर वापस लौट रहे थे जब बोलेरो सायं थाना मेरापुर के पखना चौराहे के निकट से गुजर रही थी उसी समय सामने तेजी से आए डीसी चालक ने बोलेरो में जोरदार टक्कर मार दी। हादसा होते ही चीख.पुकार मच गई मेरापुर के एसओ धवेंद्र कुमार ने बताया कि घायलों को एम्बुलेंस से सीएचसी मोहम्मदाबाद।

भिजवाया गया डाक्टर ने कसीदा बेगम एवं मुनीजा की मृत घोषित कर दिया। 10 घायलों को लोहिया अस्पताल रेफर किया गया है। हादसे के बाद चालक खाली डीसीएम को छोड़कर भाग गया डीसीएम पुलिस के कब्जे में है।

सामान्य शिष्टाचार भी भूला विपक्ष : स्वामी प्रसाद मौर्या

लखनऊ, 24 अगस्त **(एजेंसी)** । पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के निधन की इस दुख भरी घड़ी में शामिल न होकर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव पिछड़ों के निशाने पर आ गए हैं। सपा और कांग्रेस का कोई भी नेता पिछड़ों के सबसे बड़े नेता कल्याण सिंह के अंतिम संस्कार में शामिल होने नहीं पहुंचा। अखिलेश और कांग्रेस के इस कृत्य से प्रदेश भर के पिछड़ों में गुस्सा है। अलग-अलग इलाकों में पिछड़ी जाति के नेताओं ने इसकी आलोचना की है। कल्याण के अंतिम संस्कार से किनारा करने को पिछड़ी जातियों का अपमान माना जा रहा है। तीन दिनों के अंतिम संस्कार कार्यक्रमों में जहां पूरा प्रदेश और देश उमड़ पड़ा वहीं मुलायम सिंह यादव, अखिलेश यादव, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा जैसे नेताओं के शामिल न होने से पिछड़ा समाज को आघात पहुंचा है। भाजपा के नेताओं ने भी विपक्षी पार्टियों के इस घिनौने कृत्य की घोर निंदा की है। जबकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ तीन दिनों तक एक-एक पल पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के पार्थिव शरीर और उनके परिवार के साथ रहे। श्रम मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्या ने कहा है कि सपा और कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व सामान्य शिष्टाचार भी भूल गया है। उन्होंने केवल पिछड़ों, दलितों के वोट लिये हैं लेकिन कभी भी दलितों और पिछड़ों को सम्मान देने का काम नहीं किया है।

उन्होंने कहा है कि समय आने पर सपा और कांग्रेस को दलित समाज इसका जवाब जरूर देगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के दो बार मुख्यमंत्री रहे कल्याण सिंह के निधन पर जहां पूरा प्रदेश और देश श्रद्धा समुन अर्पित करने के लिए उमड़ रहा था। लखनऊ से लेकर अलीगढ़, अतरौली, नरौरा घाट पर अंतिम संस्कार में जिस तरह से जलसैलाब उमड़ा।

वत्स स्पोर्ट्स ने जीती गोल्ड ट्रॉफी

मेरठ,24 अगस्त **(एजेंसी)** । किला रोड स्थित गेम सिटी एरेना स्टेडियम के ग्राउंड पर टर्बो गट्स एंड ग्लोरी कारपोरेट लीग एडिशन-4 के एलिट कैटेगरी में गोल्ड ट्रॉफी का फाइनल मैच वत्स स्पोर्ट्स और डायनामाइट वॉरियर्स के बीच खेला गया। जिसमें वत्स स्पोर्ट्स ने 10 रनों से मैच जीत लिया। टॉस जीतकर वत्स स्पोर्ट्स के कप्तान ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वत्स स्पोर्ट्स की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 198 रन बनाए। जिसमें करम वीर ने 42 गेंदों में 48 रन और रोहित ने 35 गेंदों में 56 रन बनाए। गेंदबाजी में डायनामाइट वारियर्स की तरफसे आशु ने 4 ओवर में 38 रन देकर 4 विकेट और राहुल ने 3 ओवर में 29 रन देकर 2 विकेट लिए। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी डायनामाइट वारियर्स की टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 188 रन ही बना सकी। जिसमें राहुल रैकवाल बालियान ने 47 गेंदों में 75 रन और गुलफाम ने 28 गेंदों में 49 रन बनाए। गेंदबाजी में वत्स स्पोर्ट्स की तरफसे कपिल ने 4 ओवर में 28 रन देकर 2 विकेट लिए। इस अवसर पर गेम सिटी अरेना फाउंडर डॉ. एससी अग्रवाल, नलिन अग्रवाल, कोच अनुज गुप्ता आदि मौजूद रहे।

कवायद — *मेरठ में स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बनाने की कवायद तेज*

जनपद में बनेंगे 15 नवीन स्वास्थ्य उप केंद्र : मोहन

मेरठ,24 अगस्त (एजेंसी) जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करने के लिए 15 नवीन स्वास्थ्य उप केंद्र बनाए जाएंगे। शासन ने इनके निर्माण की स्वीकृति दे दी है। जिन स्थानों पर उप केंद्रों का निर्माण कराया जाना है, उसकी सूची तैयार कर ली गई है। सरकारी भवन का निर्माण होने तक यह उप केंद्र किराए के भवन में संचालित किए जाएंगे। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ग्राम प्रधानों की मदद से भूमि तलाश कर रहा है।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.अखिलेश मोहन ने बताया-जिले में पांच हजार से अधिक की आबादी वाले गांवों में नवीन स्वास्थ्य उपकेंद्रों की स्थापना की जाएगी। जनपद में 15 उपकेंद्रों की स्थापना की स्वीकृति मिली है।

- शासन ने दी निर्माण की स्वीकृति, शुरुआत में किराए के भवन में होंगे संचालित
- ग्राम प्रधानों की मदद से भूमि तलाश कर रहा स्वास्थ्य विभाग

भारत सरकार द्वारा अनुमोदित राज्य कार्य योजना 2021-22 में नवीन स्वास्थ्य उप केंद्रों की स्थापना के लिए स्वीकृति प्रदान की गई है। सरकारी भवन के निर्माण तक इन्हें किराए के भवनों में संचालित करने का निर्देश दिया गया है। इसकी स्थापना के लिए गाइड लाइन भी जारी की गई है।

इसके अनुसार उपकेंद्र में न्यूनतम तीन कमरे, शौचालय, विद्युत व्यवस्था, पेयजल आदि की व्यवस्था होनी चाहिए। सीएमओ ने बताया उपकेंद्र के लिए चिन्हित भवन गांव के रिहायशी इलाकों के मध्य या निकट होना चाहिए। स्वास्थ्य उपकेंद्र के लिए किराए के भवन का इस प्रकार चयन किया जाए, जिससे उस उपकेंद्र को भविष्य में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के रूप में परिवर्तित किया जा सके। उप केंद्र के लिए भवन चयनित करने में जरूरत पड़े तो प्रधानों की मदद भी लेने को कहा गया है। किराये पर लिए जाने वाले भवन के लिए तीन हजार रुपए किराया अनुमन्य होगा।

उन्होंने बताया शुरू होने वाले नए केंद्र पर एक एएनएम को तैनात किया जाएगा। आशा, आशा संगिनी व आंगनबाड़ी को वहां पर तैनात किया जाएगा। हेल्थ एंव वेलनेस सेंटर में तब्दील होने पर कम्युनिटी स्वास्थ्य अधिकारी को तैनात किया जाएगा।

सीसीएसयू में लाइव वेबिनार का आयोजन

मेरठ,24 अगस्त **(एजेंसी)** । सर छोटूराम अभियांत्रिकी व तकनीकी संस्थान चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय द्वारा मंगलवार को एल्मा कनेक्ट लाइव वेबिनार सीरीज की चतुर्थ कड़ी साफ्ट स्किल रिक्वायर्ड टू क्रेक जॉब इन्टरव्यूज का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो. एनके तनेजा ने की। कार्यक्रम में संस्थान के पूर्व छात्रों इं. अनुभव त्यागी (ईसी 2012), इं. प्रिन्स चतुर्वेदी (ईसी 2013), इं. प्रखर श्रीवास्तव (एमई 2016) ने विद्यार्थियों को साफ्ट स्किल के महत्व व आवश्यकता पर अपने विचार एवं अनुभवों को साझा करते हुये बताया कि वर्तमान समय में इन्टरव्यू में सफलता पाने के लिये सिर्फ डिग्री ही काफी नहीं है। डिग्री व तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ उनमें साफ्ट स्किल जैसे कम्यूनिकेशन कौशल, नेतृत्व क्षमता, समूह में कार्य करना तथा सम्बन्ध निर्माण आदि कौशल का होना भी अति आवश्यक है। यदि व्यक्ति की साफ्ट स्किल बेहतर है तो वर्क प्लेस और घर के माहौल में सकारात्मक बदलाव आता है। संस्थान की स्मृतियों से भाव विभोर होते हुए

उन्होने संस्थान द्वारा वर्तमान विद्यार्थियों और शिक्षकों से जुड़ने का अवसर प्रदान करने के लिए संस्थान को हार्दिक धन्यवाद दिया। इस दौरान प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला, संकायाध्यक्ष प्रो. हरे कृष्णा व कुलानुशासक प्रो. बीर पाल ने सभी की अपने आर्शीवचनों से सिंचित किया।

मंत्री, सांसद, विधायक सहित पंचायत प्रतिनिधि गांव और वार्ड में सक्रिय रहें

सीएम ने वैक्सीनेशन अभियान को लेकर किया वर्चुअली संबोधित

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि 25 और 26 अगस्त को आयोजित वैक्सीनेशन महाअभियान-2 से लोगों को जोड़ने के लिए गांव और वार्ड में घर-घर संपर्क किया जाए। जिन व्यक्तियों ने वैक्सीनेशन नहीं करवाया है उन्हें वैक्सीनेशन केंद्रों तक लाने के लिए आवश्यक प्रयास करना जरूरी है। यह जीवन बचाने का डोज है, हमें हमारी जनता की जिंदगी को सुरक्षित करना है। जिन लोगों में भ्रम है या किसी प्रकार की जिज्ञासा है, तो ऐसे व्यक्तियों को भी आवश्यक समझाइश दी जाए। मंत्री, सांसद, विधायक, क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटी के सदस्य, जिला, जनपद, ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि प्रत्येक गांव और वार्ड में सक्रिय रहें।

मुख्यमंत्री ने कहा-अभी भी प्रदेश की 38 प्रतिशत पात्र जनसंख्या ने पहला टीका ही नहीं लगवाया है

लगभग 46 लाख लोगों के दूसरा टीका लगवाने का आ गया है समय

मुख्यमंत्री कोरोना वैक्सीनेशन महाअभियान-2 के लिए आयोजित बैठक को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री निवास से आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभु राम चौधरी, चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग के साथ सभी मंत्रीगण, सासंद, विधायक, जिला और जनपद स्तरीय क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटी के सदस्य बैठक में वर्चुअली शामिल हुए। चौहान ने कहा कि अभी भी प्रदेश की 38 प्रतिशत पात्र जनसंख्या ने पहला टीका ही नहीं लगवाया है। लगभग 46 लाख लोगों के दूसरा टीका लगवाने का समय आ गया है। यदि उन्होंने दूसरा टीका नहीं लगवाया, तो पहले टीके का प्रभाव भी निष्प्रभावी हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि सितंबर 2021 के अंत तक प्रदेश के शत-प्रतिशत पात्र व्यक्तियों को टीके की पहली डोज लग जाए तथा दिसम्बर तक टीके की दूसरी डोज भी सभी प्रदेशवासियों को लगे।

शिवराज सिंह भोपाल में टीकाकरण महाअभियान का करेंगे शुभारंभ

मप्र में कोरोना से बचाव के लिए टीकाकरण महाअभियान-2 की शुरुआत 25 अगस्त से की जा रही है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल से इसकी शुरुआत करेंगे। दो दिन चलने वाले इस महाअभियान में कोरोना वैक्सीन के द्वितीय डोज पर विशेष फोकस किया गया है। महाअभियान पहले दिन वैक्सीन की पहली और दूसरी डोज लगाई जायेगी। दूसरे दिन वैक्सीन का केवल दूसरा डोज ही लगेगा। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने इस संबंध में मंगलवार को स्थल निरीक्षण किया। जवाहर चौक स्थित जैन मंदिर में होने वाले टीकाकरण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री चौहान शामिल होंगे। मंत्री सारंग ने कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश संबंधितों को दिए। स्थल निरीक्षण के समय मंत्री सारंग के साथ पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता, कलेक्टर अविनाश लवानिया सहित जन-प्रतिनिधि एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

प्रदेश में एक करोड़ पात्र लोगों का टीकाकरण होना शेष

महाअभियान-2 आज से

- टीकाकरण के मामले में मध्यप्रदेश देश में दूसरे स्थान पर
- सितंबर में सभी को पहला डोज लगाने की सरकार की कवायद
- कुल पांच कारोड़ 48 लाख 90 लोग टीकाकरण के पात्र

भोपाल (एजेंसी)। कोरोना टीकाकरण के मामले में अन्य राज्यों की तुलना में मध्यप्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है। प्रदेश में कुल पांच कारोड़ 48 लाख 90 लोग टीकाकरण के पात्र माने गए हैं, जिसमें से अब तक चार करोड़ से अधिक पात्र लोगों को पहला और दूसरा डोज लग गया है। अब केवल करीब एक करोड़ पात्र लागों को पहला डोज लगाना शेष है। राज्य सरकार ने सितबंर माह में सभी शेष रह गए पात्र लोगों का टीकाकरण करने का लक्ष्य रखा है। अगर मांग के अनुरूप मप्र को वैक्सीन की पर्याप्त डोज मिलती है तो सितबंर माह के अंत तक प्रदेश सभी पात्र लोगों टीकाकरण हो जाएगा। राज्य सरकार की यह बड़ी उपलब्धि होगी।

कोविड-19 सक्रमंण की दूसरी लहर के बाद से ही मप्र सरकार ने टीकाकरण अभियान को तेज किया है। एक दिन में दो बार 10 लाख से अधिक लोगों का टीकाकरण करने का रिकार्ड बनाया। टीकाकरण को लेकर राज्य सरकार ने सभी सरकारी विभागों के साथ मिलकर जन-जागरूकता का अभियान चालाया, जिससे टीकाकरण केंद्रों पर भीड़ लग गई। यहां तक कि ग्रामीण इलाकों के केंद्रों पर भी लोगों ने उत्साह से टीका लगवाया। अब फिर से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 25 और 26 अगस्त को टीकाकरण महाअभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। दो दिन के इस अभियान से टीकाकरण को गति मिलेगी। राज्य सरकार ने सितंबर माह में प्रदेश के सभी पात्र लोगों का टीकाकरण करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

टीकाकरण एक नजर में

वैक्सीन के डोज लगाए	4, 02,04,272
पहला डोज लगाया	3,35,99,277
दूसरा डोज लगाया	66,04,995
महिलाओं को लगाए	1,84,94,443
पुरुषों को लगाए	2,17,01,798
18 से 44 वर्ष	2,25,13 ,475
45 से 60 वर्ष	1,09,31,649
60 वर्ष से ऊपर	67,59,148
कोविशील्ड डोज	3, 55,35,452
कोवैक्सीन डोज	46,54,098

संक्षिप्त समाचार

शिवराज सिंह से मिले गोपालन एवं पशु संवर्धन बोर्ड के उपाध्यक्ष स्वामी अखिलेश्वरानंद

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मंगलवार को यहां मंत्रालय में प्रदेश गोपालन एवं पशु संवर्धन बोर्ड के उपाध्यक्ष स्वामी अखिलेश्वरानंद ने भेंट की। स्वामी जी ने हाल ही में मध्यप्रदेश गोपालन बोर्ड में पदभार ग्रहण किया है। वे बोर्ड की कार्य परिषद के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से गौ संवर्धन एवं संरक्षण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों पर चर्चा कर बताया कि बोर्ड द्वारा योजनाएं तैयार कर लागू करने की तैयारी की जा रही है।

सीएम से मिला सिख समाज का प्रतिनिधिमंडल

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मंगलवार को यहां मंत्रालय में सिख समाज के प्रतिनिधि-मंडल ने भेंट की। प्रतिनिधि-मंडल में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री हरदीप सिंह डंग, लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी मंत्री बृजेंद्र सिंह यादव, विधायक जजपाल सिंह जज्जी भी उपस्थित थे। प्रतिनिधि-मंडल द्वारा मुख्यमंत्री को आगामी 4 से 6 अक्टूबर के मध्य ग्वालियर में आयोजित गुरुद्वारा दाता बंदी छोड़ ग्वालियर के 400 वर्षीय विश्व-स्तरीय शताब्दी समारोह कार्यक्रम का आमंत्रण दिया गया। इस अवसर पर सिख समाज द्वारा संचालित सेवा कार्यों की जानकारी भी दी गई। प्रतिनिधि-मंडल ने ग्वालियर के टेकनपुर में गुरुद्वारे की भूमि पर शिक्षण संस्थान प्रारंभ करने के संबंध में प्रस्ताव दिया। इसके अनुसार सिख समाज शिक्षण संस्थान की स्थापना में सहयोग देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा कार्यों से ही जीवन सार्थक होता है। सिख समाज के सेवा कार्य सराहनीय है। शासन द्वारा इन प्रयासों को प्रोत्साहित किया जाएगा और पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर धर्म सिंह, बाबा लक्खा सिंह ग्वालियर, पंजाबी अकादमी की निदेशक नीरू सिंह ज्ञानी उपस्थित थी।

अनुसूचित जनजाति छात्रवृत्ति के लिए 31 अगस्त तक जमा कर सकेंगे आवेदन

भोपाल । मप्र के अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थी को छात्रवृत्ति योजना का लाभ प्रदान करने के लिए छात्रवृत्ति आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 31 अगस्त कर दी गई है। राज्य शासन द्वारा अनुसूचित जनजाति छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति योजना का लाभ प्रदान करने की दृष्टि से एमपीटीएएएस के अंतर्गत शैक्षणिक संस्थान में अध्ययनरत प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष एवं तृतीय वर्ष के अनुसूचित जनजाति के छात्र एवं छात्राओं के छात्रवृत्ति आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 31 अगस्त कर दी गई है। इसलिए संबंधित संस्था प्रमुख 31 अगस्त तक छात्र एवं छात्राओं के आवेदन पत्र ऑनलाइन भरवाकर तत्काल आदिवासी विकास कार्यालय को सूचित करें।

पेट्रोल-डीजल महंगा नहीं, यह कांग्रेसियों का फोकट का प्रोपेगैंडा : प्रज्ञा ठाकुर

भोपाल। अपने बयानों से हमेशा सुर्खियों में रहने वाली भोपाल से भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने यहां एक कार्यक्रम में महंगाई को कांग्रेसियों का फोकट का प्रोपेगेंडा करार दिया है। सांसद ठाकुर ने अपने वक्तव्य के दौरान कहा कि डीजल और पेट्रोल की महंगाई एक प्रोपेगेंडा है। यह कांग्रेसियों द्वारा डीजल और पेट्रोल के नाम पर किया जाने वाला फोकट का फर्जी प्रोपेगेंडा है। सांसद ठाकुर राजधानी के अहमदपुर वाटर सप्लाई भवन के लोकार्पण समारोह में बोल रही थीं। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, नगरीय विकास मंत्री भूपेंद्र सिंह भी शामिल हुये थे। गौरतलब है कि डीजल पेट्रोल के दामों में नियंत्रण न कर पाने से केंद्र और राज्य सरकार पर उठ रहे सवालों के जवाब में भाजपा नेता इन दिनों ऐसे ही बेतुके बयान दे रहे हैं।

महिला कांग्रेस ने प्रदेश में होने वाले उपचुनाव और नगरीय निकाय चुनाव के लिए बनाई रणनीति

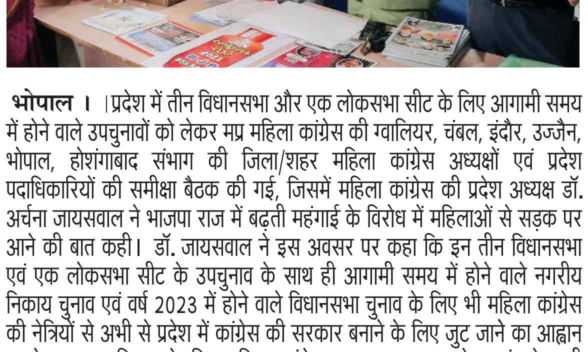

भोपाल । ।प्रदेश में तीन विधानसभा और एक लोकसभा सीट के लिए आगामी समय में होने वाले उपचुनावों को लेकर मप्र महिला कांग्रेस की ग्वालियर, चंबल, इंदौर, उज्जैन, भोपाल, होशंगाबाद संभाग की जिला/शहर महिला कांग्रेस अध्यक्षों एवं प्रदेश पदाधिकारियों की समीक्षा बैठक की गई, जिसमें महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना जायसवाल ने भाजपा राज में बढ़ती महंगाई के विरोध में महिलाओं से सड़क पर आने की बात कही। डॉ. जायसवाल ने इस अवसर पर कहा कि इन तीन विधानसभा एवं एक लोकसभा सीट के उपचुनाव के साथ ही आगामी समय में होने वाले नगरीय निकाय चुनाव एवं वर्ष 2023 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भी महिला कांग्रेस की नेत्रियों से अभी से प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनाने के लिए जुट जाने का आह्वान करते हुए कहा कि इसके लिए महिला कांग्रेस सड़क पर आकर देश एवं प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ जनता में महंगाई और महिला उत्पीड़न के मामलों को लेकर जाने की बात कही। साथ ही उन्होंने उपरोक्त संभागों में कांग्रेस के प्रभाव और कांग्रेस जनों की सक्रियता को लेकर भी चर्चा की गई।

डिक्की की नेशनल काउंसिल मीट को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा

प्रदेश में हर वर्ग की भागीदारी से बिछेगा उद्योगों का जाल

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आत्म-निर्भर मप्र के लिए राज्य सरकार प्रदेश में उद्योगों का जाल बिछाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा प्रयास है कि उद्यमशीलता की इस गतिविधि में समाज के हर वर्ग की बराबर की भागीदारी हो। संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने देश को संविधान देकर शिक्षित बनो, संगठित बनो और संघर्ष करो का मंत्र दिया। राज्य सरकार जो सबसे पीछे और नीचे हैं उनका संवैधानिक अधिकार, सुरक्षा और उन्हें प्रगति के सभी अवसर उपलब्ध कराने के लिए कृत-संकल्पित है।

मंगलवार को भोपाल में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान डिक्की नेशनल काउंसिल मीट में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री चौहान दलित इंडियन चेंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज डिक्की की नेशनल काउंसिल मीट को संबोधित कर रहे थे। होटल पलाश में आयोजित मीट में केंद्र तथा राज्य की योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में असीम संभावनाएं हैं। खनिज, वन संपदा, कृषि उत्पादन, पर्यटन के क्षेत्र में उद्यमिता की व्यापक संभावनाएं विद्यमान हैं। युवा वर्ग को उद्यमिता के लिए प्रेरित करने नीतियों को अधिक व्यवहारिक और सहयोगी बनाने के उद्देश्य से उद्योग नीतियों में आवश्यक सुधार किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में ज्ञानोदय विद्यालय तथा एकलव्य विद्यालय के माध्यम से अनुसूचित जाति-जनजाति के विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। प्रदेश में वनोपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य की व्यवस्था की गई है। देवारण्य योजना के माध्यम से जनजातीय बहुल क्षेत्रों में वहां के ईको सिस्टम के अनुसार परम्परागत औषधीय और सुगंधित पौधों को ऊगाने से लेकर उनकी प्रोसेसिंग, ब्रांडिंग, मार्केटिंग और विक्रय की सम्पूर्ण वैल्यू चेन विकसित की जा रही है।

जनजातीय युवाओं को उत्पादों की प्रोसेसिंग से जोड़ा जाए

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री बिसाहूलाल सिंह ने कहा कि खनिज संपदा के दोहन, वन सम्पदा के संग्रहण और कृषि उत्पादन में प्रदेश की जनजातियों का योगदान है। जनजातीय युवाओं को सहयोग, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन उपलब्ध कराकर खनिज, वन और कृषि उत्पादों की प्रोसेसिंग से जोड़ना आवश्यक है।

प्रत्येक जिले में होगी उद्यमिता पर कार्यशाला

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में उद्यमिता पर कार्यशाला आयोजित की जा रही है। हमारा उद्देश्य सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग स्थापित करने के लिए युवाओं को जिला स्तर पर आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है।

पीएफआई पर बैन लगाने का निर्णय जल्द लिया जाएगा : डॉ. मिश्रा

भोपाल (एजेंसी)। गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) को लेकर कहा कि इस पर बैन लगाने का निर्णय जल्द लिया जा सकता है।

गृहमंत्री श्री मिश्रा ने मंगलवार को यहां मीडिया से चर्चा में कहा कि देश विरोधी गतिविधियों में शामिल पीएफआई संगठन पर बैन लगाने की मांग को लेकर सोमवार को मुस्लिम समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने आवेदन दिया है, जिस पर विभागीय स्तर पर चर्चा कर शीघ्र ही निर्णय लिया जाएगा।

गृह मंत्री ने कहा कि कोरोना पर जीत हासिल करने के लिए जरूरी है उसे जड़ से खत्म करना, जिसका प्रमुख उपाय वैक्सीनेशन है। उन्होंने कहा कि 25-26 अगस्त को प्रदेश में महावैक्सीनेशन अभियान-2 आयोजित होगा। प्रदेश की जनता से अपील करते हैं कि आप सब इस महाभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि सरकार प्रदेश में कोरोना को लेकर पूरी तरह सतर्क है। प्रदेश में कोरोना के कुल एक्टिव केस 102 हैं और रिकवरी रेट 98.60 है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के पांच नए केस आए हैं, जबकि सात लोग स्वस्थ हुए हैं। सोमवार को प्रदेश में कोरोना के कुल 53,744 टेस्ट हुए हैं।

जो करे मासिक लक्ष्य पूरा करने में लापरवाही, उसके खिलाफ करें कार्रवाई

जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा करते हुए राज्यमंत्री यादव ने दिए निर्देश

भोपाल (एजेंसी)। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी राज्यमंत्री बृजेंद्र सिंह यादव ने निर्देश दिए हैं कि जल जीवन मिशन में अधिकारियों को मासिक लक्ष्य दिए जाएं और उन्हें पूरा न करने वाले अथवा लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। राज्यमंत्री यादव ने प्रदेश में जल जीवन मिशन में हो रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि टेंडर फाइनल होने के बाद भी जिन ठेकेदारों द्वारा कार्य प्रारंभ नहीं किए जा रहे हैं, उनके टेंडर निरस्त करने की कार्यवाही की जाए।

राज्यमंत्री ने कहा कि भोपाल जिले के लिए दो महती जल प्रदाय योजनाएं केरवा और हलाली स्वीकृत की गई हैं, इनमें आगे की कार्यवाही त्वरित गति से प्रारंभ की जाए। उन्होंने कहा कि मिशन को पूरा करने की समय-सीमा को देखते हुए लक्ष्य काफी बड़ा है। यह तब ही पूरा किया जा सकेगा जब कार्य में गति लाई जाए। यादव ने बताया कि भोपाल जिले की ग्रामीण आबादी के लिए 96 करोड़ 17 लाख रुपए लागत की केरवा योजना से 76 गांवों को और 99 करोड़ 17 लाख रुपए लागत की हलाली योजना से 61 गांवों को नल कनेक्शन से पेयजल प्रदाय किया जा सकेगा। अपर मुख्य सचिव पीएचई मलय श्रीवास्तव ने बताया कि स्कूल और आंगनवाड़ी में नल कनेक्शन से पेयजल प्रदाय के कार्य में गति आयी है। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन में जिले और विधानसभावार जानकारी शीघ्र तैयार कर उपलब्ध करवायी जाएगी।

न्यौता देकर टीकाकरण के लिए करें आमंत्रित : मंत्री पटेल

भोपाल । ।प्रदेश के किसान-कल्याण तथा कृषि विकास एवं खरगोन तथा छिंदवाड़ा जिले के प्रभारी मंत्री कमल पटेल ने वर्चुअल मीटिंग कर हरदा, खरगोन और छिंदवाड़ा में अधिक से अधिक टीकाकरण कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि टीकाकरण के लिए पीले चावल से न्यौता देकर लोगों को आमंत्रित करें। श्री पटेल ने कहा कि जीवन-रक्षा के लिए कोरोना के दोनों डोज लेना जरूरी है। उन्होंने हरदा के साथ ही प्रभार के जिलों में आयोजित डिस्ट्रिक्ट क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटी की बैठक में शामिल हुए। उन्होंने 25 एवं 26 अगस्त को प्रारंभ हो रहे कोरोना वैक्सीनेशन महाअभियान-2 में अधिक से अधिक लोगों को टीका लगवाने के लिए प्रभावी रणनीति को और अधिक पुख्ता बनाने के निर्देश दिए। श्री पटेल ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ही विकासखण्ड स्तर के अधिकारियों और स्वास्थ्य कर्मियों से भी बातचीत कर गांव-गांव में प्रत्येक बस्ती और मजरे-टोले में लोगों को ससम्मान पीले चावल देकर न्यौता देने के निर्देश दिए। श्री पटेल ने कहा कि महाअभियान को प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता से ही सफल बनाया जा सकेगा।

मध्यप्रदेश में अर्न इंडिया मैन्यूफेक्चरिंग करेगी 200 करोड़ रुपए का निवेश

सीएम से मिले अर्न इंडिया मैन्यूफेक्चरिंग के सीईओ लेविटिन

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में किसी भी तरह की औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए राज्य सरकार आवश्यक सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। कोविड के दौर के बाद आर्थिक और वित्तीय क्षेत्र को जिस संबल की आवश्यकता है, उसे प्रदान करने में राज्य सरकार कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी।

मुख्यमंत्री मंगलवार को मंत्रालय में अर्न इंडिया मैन्यूफेक्चरिंग के सह-संस्थापक और सीईओ शाई लेविटिन से चर्चा कर रहे थे। इस अवसर पर संस्थान की वाइस प्रेसीडेंट श्रीमती आइरिस लेविटिन और पदाधिकारी भी मौजूद थे। चौहान को लेविटिन ने बताया कि वे मप्र में करीब 200 करोड़ रुपए के निवेश से एलइडी लाइट्स और स्मार्ट होम प्रोडेक्ट्स की इकाई की स्थापना के लिए इच्छुक हैं।

इसके लिए उन्होंने इंदौर और निकटवर्ती औद्योगिक क्षेत्रों का भ्रमण भी कर लिया है। प्रस्तावित इकाई से करीब एक हजार लोगों को प्रत्यक्ष और एक हजार लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त हो सकेगा।

प्रधानमंत्री कुसुम योजना की कार्यशाला में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा

अब किसानों की बिजली खरीदेगी सरकार

भोपाल (एजेंसी)। पीएम कुसुम योजना में किसानों द्वारा उत्पादित बिजली ऊर्जा विभाग द्वारा खरीदी जाएगी। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह बात पीएम कुसुम-अ योजना में सौर ऊर्जा उत्पादकों के लिए मिंटो हॉल में आयोजित कार्यशाला में कही। कार्यशाला में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री हरदीप सिंह डंग ने कहा कि किसानों द्वारा सोलर प्लांट लगाने पर लगभग 10 लाख रुपए का खर्च आएगा, जबकि इससे लगभग 50 से 60 लाख रुपए की आय होगी। सोलर प्लांट लगभग 25 वर्ष तक आय देगा। मंत्री द्वय ने चयनित किसानों और विकासकों को लेटर ऑफअवार्ड एलओए प्रदान किए।

भोपाल में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर और नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री हरदीप सिंह डंग ने किसानों और विकासकों को लेटर ऑफ अवार्ड प्रदान किए।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने कहा कि हमारे कोयला और तेल जैसे ऊर्जा के संसाधन कम हो रहे हैं, लेकिन सूर्य देव की कृपा सबके ऊपर समान रूप से है। इसका उपयोग कर हम प्रदेश में बिजली का उत्पादन बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों द्वारा उत्पादित बिजली की बिक्री से जो लाभ होगा, उससे उनके जीवन में नई खुशियां आएंगी। तोमर ने कहा कि बिजली की बचत करें, जिससे बिजली बिल कम आए और आपका पैसा बचे। तोमर ने कहा कि प्रदेश की कुल विद्युत खपत की लगभग 25 प्रतिशत पूर्ति नवकरणीय ऊर्जा द्वारा हो रही है। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री डंग ने कहा कि सोलर ऊर्जा के रूप में जो बीज आप डालोगे, वह वर्षों आपको लाभान्वित करेगा। प्लांट लगाने के लिए बैंक से लोन भी सरलता से मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसान के साथ आप उद्योगपति भी बनने जा रहे हैं। डंग ने बताया कि रीवा के सोलर प्लांट से दिल्ली की मेट्रो ट्रेन चल रही है। विश्व का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर प्लांट ओंकारेश्वर में बन रहा है। इससे 600 मेगावॉट सौर ऊर्जा मिलेगी।

फसल उत्पादक के साथ ऊर्जा उत्पादक भी बनेंगे

प्रमुख सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा संजय दुबे ने कहा कि किसान अब फसल उत्पादक के साथ ही ऊर्जा उत्पादक भी बनेंगे। सूरजमुखी की तरह सूरज ऊर्जा का भी आप उत्पादन करेंगे। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में सभी मिलकर अन्य प्रदेशों के लिये प्रतिमान स्थापित करेंगे। प्रदेश को इस क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाएं। दुबे ने कहा कि कुसुम योजना से आप जिस कम्पनी से बिजली खरीदते हैं, उसे अब बेचेंगे। प्रबंध संचालक दीपक सक्सेना ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा उत्थान महाअभियान योजना के किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान करना था। इसमें विभिन्न निर्माता कम्पनियां कंसलटेंट और बैंक के प्रतिनिधि शामिल हुए।

कुसुम -अ में प्रदेश को 300 मेगावॉट के विशेष पैकेज का आवंटन

भारत सरकार के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा कुसुम -अ योजना के तहत प्रदेश में कुल 300 मेगावॉट क्षमता का आवंटन किया गया है। ऊर्जा विकास निगम द्वारा अब तक निविदा के दो चरणों में कुल 42 निविदाकर्ताओं का सौर ऊर्जा उत्पादक के रूप में चयन कर 75 मेगावॉट क्षमता का आवंटन किया जा चुका है। निविदाकर्ताओं में 40 किसान और 2 विकासक शामिल हैं। संयंत्रों से उत्पादित विद्युत मप्र पॉवर मैनेजमेंट कम्पनी द्वारा खरीदी जाएगी। कुसुम -अ के तहत सौर संयंत्र की स्थापना ग्रामीण क्षेत्रों के चयनित विद्युत सब-स्टेशनों के लगभग 5 किलोमीटर के दायरे में, किसानों द्वारा उनकी अनुपयोगी बंजर कृषि भूमि पर, 500 किलोवॉट से 2 मेगावॉट क्षमता के विकेन्द्रीकृत सौर ऊर्जा संयंत्रों को विकसित करने की योजना है। इन्हें विद्युत वितरण कम्पनी के चिन्हित 33-11 केव्ही सब-स्टेशनों से सीधे जोड़ा जाएगा।

मुंबई के सबसे महंगे इलाके में टाइगर श्रॉफ ने लिया घर

टाइगर श्रॉफ इन दिनों बुलंदी की सीढ़ियां चढ़ रहे हैं। एक के बाद एक हिट फिल्में देने के साथ ही उनका ड़ास लोगों के बीच लोकप्रिय रहता है। लेकिन उनके करियर से अलग वह अपने परिवार से बेहद प्यार करते हैं। टाइगर ने हाल ही में अपने परिवार के लिए एक खूबसूरत घर खरीदा है। ये घर एक दो या तीन कमरों का नहीं बल्कि आठ कमरों का है। टाइगर के इतने बड़े घर को खरीदने के पीछे का कारण उनका परिवार ही है। वह चाहते हैं कि सब एक साथ मिलकर एक ही घर में रह सकें। टाइगर ने घर को और खास बनाने के लिए एक्टर जॉन अब्राहम के भाई एलेन से इसे डिजाइन करवाया है। एलेन बेहतरीन इंटीरियर डिजाइनर की लिस्ट में आते हैं और उन्होंने कई सितारों के घरों को सजाया है। चलिए देखते हैं टाइगर के नए घर की शानदार तस्वीरें।

टाइगर का घर मुंबई के सबसे मंहगे इलाके खार वेस्ट के रुस्तमजी पैरामाउंट में हैं। इस सोसाइटी में 2, 3, 4, 5, 6 और 8 बीएचके अपार्टमेंट हैं। टाइगर ने यहां 8 बीएचके का अपार्टमेंट लिया है। वह अपने पैरेंट्स जैकी श्रॉफ, आयशा श्रॉफ और बहन कृष्णा के साथ इस घर में शिफ्ट हो चुके हैं। इस घर में तमाम तरह की सुविधाएं मौजूद हैं जैसे जिम, स्विमिंग पूल ,गेम रूम घर की शोभा बढ़ा रहे हैं। इस घर की खास बात है कि उनके घर से अरब सागर बिल्कुल साफ दिखाई देता है। इस सोसाइटी में एक आउटडोर फिटनेस जिम, आर्टिफिशियल रॉक क्लाइम्बिंग एरिया और एक स्टार-गेजिंग डेक भी शामिल है। इससे पहले श्रॉफ परिवार कार्टर रोड की इमारत में किराए पर रहता था। अब पूरा परिवार अपने नए मकान में शिफ्ट हो गया है। इस कॉम्प्लेक्स में हार्दिक पांड्या, रानी मुखर्जी, क्रुणाल पांड्या, मेघना घई पुरी, दिशा पाटनी जैसे कई सेलेब्स घर खरीदने की इच्छा जता चुके हैं।

भूल भुलैया 2 की शूटिंग फिर से शुरू

कार्तिक आर्यन ने तब्बू के साथ शेयर की सेल्फी

अभिनेत्री तब्बू ने अनीस बाज्मी के निर्देशन में बन रही कॉमेडी फिल्म 'भूल-भुलैया 2' की शूटिंग शुरू कर दी है। अभिनेता कार्तिक आर्यन ने इंस्टाग्राम पर रविवार शाम अभिनेत्री के साथ एक तस्वीर साझा की और लिखा, '' एक बार फिर फिल्म 'भूल-भुलैया 2' के साथ....।'' कार्तिक आर्यन के मार्च में कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद फिल्म की शूटिंग रोक दी गई थी। फिल्म के निर्देशक अनीस बाज्मी ने इस महीने की शुरुआत में शूटिंग फिर शुरू किए जाने की जानकारी दी थी। फिल्म 'भूल-भुलैया 2' में कियारा आडवाणी भी नजर आएंगी। इसकी कहानी फरहाद सामजी और आकाश कौशिक ने लिखी। यह 2007 में आई प्रियदर्शन की फिल्म 'भूल-भुलैया' का सीक्वल है। इसका निर्माण भूषण कुमार और कृष्ण कुमार मिलकर कर रहे हैं। फिल्मकारों ने फरवरी में कहा था कि फिल्म 19 नवंबर को रिलीज की जाएगी, लेकिन शूटिंग रुकने के बाद इसकी रिलीज को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई है।

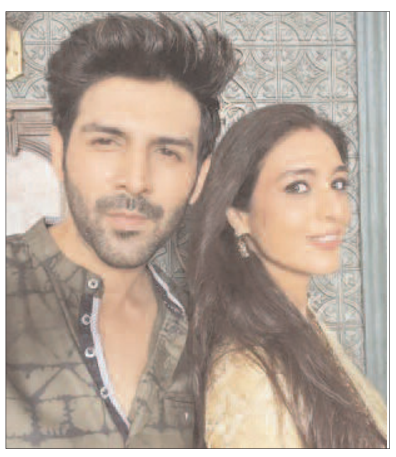

स्पाइडर मैन- नो वे होम का ट्रेलर हुआ रिलीज

स्पाइडरमैन के सिनेमाई इतिहास में पहली बार हमारे पीटर पार्कर हीरो के रूप में बेनकाब होने जा रहा है और उनकी सुपरहीरो की पहचान पूरी दुनिया के सामने बेनकाब होने जा रही है। सुपरहीरो टॉम हॉलैंड दुनिया के सामने अपने सुपरहीरो होने की असलियत को छुपा के रखने में सक्षम नहीं हैं। मोस्ट अवेटेड फिल्म का ट्रेलर फाइनली सोनी पिक्चर एंटरटेनमेंट ने यूट्यूब पर रिलीज कर दिया है। जिसे देखने के बाद ये साफ-साफ जाहिर है कि फिल्म में इस बार कई राज खुलने जा रहे हैं। जो स्पाइडर-मैन- नो वे होम में पहचान दुनिया के बताने के बाद परेशानियों से डील करते हुए नजर आ रहे हैं। इस ट्रेलर में दिखाया गया कि अपनी पहचान को सामने आने के बाद टॉम हॉलैंड जब डॉ स्ट्रेंज के पास उनकी स्पाइडर मैन होने के बारे में दुनिया भूल जाए ये मदद मांगने जाते हैं।

कंगना रनौत की फिल्म थलाइवी 10 सितंबर को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

कोरोना वायरस के कारण लगे लॉकडाउन के कारण कई बॉलीवुड फिल्में रिलीज के लिए इंतजार कर रही हैं। अब जब कोरोना वायरस की दूसरी लहर की पकड़ कमजोर हो रही हैं तो सिनेमाघरों को सरकार ने खोल दिया है। अब सिनेमाघरों पर पहली बड़ी फिल्म अक्षय कुमार की बेल बॉटम रिलीज हुई है। फिल्म ने ज्यादा अच्छी कमाई नहीं की लेकिन फिल्म को काफी अच्छे रिव्यू मिले हैं। फिल्म दर्शकों को सिनेमाघर तक खिंचने में कामयाब रही। अब एक के बाद एक बड़ी फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अक्षय के बाद अब कंगना रनौत सिनेमाघरों में अपनी फिल्म लेकर आ रही हैं। एएल विजय द्वारा निर्देशित कंगना रनौत और अरविंद स्वामी की आगामी फिल्म थलाइवी 11 सितंबर को सिनेमाघरों में उतरेगी। निर्माताओं ने एक नए पोस्टर के साथ फिल्म की नई रिलीज की तारीख की घोषणा की। कोरोनवायरस महामारी के कारण फिल्म की रिलीज़ को दो बार स्थगित किया गया था। थलाइवी तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता के जीवन पर आधारित आधिकारिक बायोपिक है। थलाइवी पहले 23 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। हालांकि, कोरोनवायरस महामारी की दूसरी लहर के कारण फिल्म को स्थगित करना पड़ा। थलाइवी की शूटिंग 2020 में पूरी हो गई थी, लेकिन मेकर्स फिल्म को रिलीज करने के लिए सही समय का इंतजार कर रहे थे। थलाइवी के प्रोडक्शन हाउस में से एक, विब्री मीडिया ने एक नए पोस्टर के साथ फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया। पोस्ट के मुताबिक, थलाइवी लंबे इंतजार के बाद 10 सितंबर को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी।

मैं अर्जुन रेड्डी की वजह से इस मुकाम तक पहुंची हूं

शालिनी

> मैंने अपने परफॉर्मेंस को बेहतरीन बनाने के लिए अपनी ओर से पूरी कोशिश की, जिस पर मुझे बहुत गर्व था

शालिनी पांडे, रणवीर सिंह के साथ जयेशभाई जोरदार जैसी बड़ी फ़िल्म के जरिए बॉलीवुड में जबरदस्त तरीके से कदम रखने के लिए तैयार हैं। फ़िल्म अर्जुन रेड्डी की रिलीज़ के तुरंत बाद ही वह साउथ की स्टार बन गईं, और इसके 4 साल पूरे होने की मौके पर शालिनी ने बताया कि इस फ़िल्म और फ़िल्म के डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा ने ही उन्हें एक ऐसा कलाकार बनाया है जिसके परफॉर्मेंस को लोग देखना चाहते हैं! शालिनी कहती हैं, मैं अर्जुन रेड्डी की वजह से इस मुकाम तक पहुंची हूं, क्योंकि इसने मुझे एक परफॉर्मर के तौर पर दुनिया के सामने प्रस्तुत किया है। मैंने अपने परफॉर्मेंस को बेहतरीन बनाने के लिए अपनी ओर से पूरी कोशिश की, जिस पर मुझे बहुत गर्व था और मुझे खुशी है कि दर्शकों को मेरी कड़ी मेहनत खूब पसंद आई। एक एक्टर के तौर पर मैं इस कामयाबी के लिए अपने डायरेक्टर संदीप वांगा रेड्डी की एहसानमंद हूं। मैं खुशकिस्मत हूं कि मैं इस तरह की एक बेमिसाल प्रेम-कहानी को पर्दे पर उतारने के उनके विजन का हिस्सा बनी, जिसने पूरे भारत में फ़िल्म प्रेमियों के दिलों-दिमाग में अपनी जगह बना ली है। यह अभिनेत्री कहती हैं कि, अर्जुन रेड्डी की कामयाबी ने उनके भीतर एक वर्सेटाइल एक्टर के रूप में अपनी पहचान बनाने के जुनून को बढ़ावा दिया। वे कहती हैं, फ़िल्म की कामयाबी से मुझे एक परफॉर्मर के साथ-साथ एक वर्सेटाइल एक्टर के रूप में अपनी पहचान बनाने के अपने सपने को पूरा करने का कॉन्फिडेंस मिला है। जयेशभाई जोरदार मेरी इस बात को सच साबित करेगा। दुर्भाग्य से, मैं फिलहाल अपने रोल के बारे में ज्यादा बात नहीं कर सकती, इसलिए आपको कुछ समय तक इंतज़ार करना होगा।

स्कैम 1992 फेम प्रतीक गांधी की फिल्म रावण लीला 1 अक्टूबर को होगी रिलीज

वेब सीरीज स्कैम 1992 - द हर्षद मेहता स्टोरी के जरिए लोकप्रियता हासिल करने वाले अभिनेता प्रतीक गांधी ने मंगलवार को घोषणा की कि बतौर मुख्य अदाकार उनकी पहली हिंदी फीचर फिल्म रावण लीला (भवई) एक अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म गुजरात की लोकप्रिय लोक नाट्य कला भवई की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म का निर्देशन हार्दिक गज्जर कर रहे हैं जबकि इसकी पटकथा श्रेयस अनिल लोलेकर ने लिखी है। गुजराती रंगमंच की दुनिया में चर्चित कलाकार प्रतीक ने सोशल मीडिया ऐप्प इंस्टाग्राम पर फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा की। प्रतीक ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर साझा करते हुएलिखा, ꠹ रावण लीला (भवई) एक अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।꠹41 वर्षीय अभिनेता फिल्म में रावण की भूमिका में दिखाई देंगे। प्रतीक इससे पहले हिंदी फिल्म लवयात्री और मित्रों के अलावा बे यार तथा राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता रॉन्ग साइड राजू जैसी गुजराती फिल्मों में भी अभिनय कर चुके हैं।

टॉम क्रूज ने आशा भोंसले के रेस्तरां में खाया चिकन टिक्का मसाला, सिंगर ने जताई खुशी

महान गायिका आशा भोंसले ने सोमवार को कहा कि वह इंग्लैंड के बर्मिंघम में स्थित अपने रेस्तरां में हॉलीवुड सुपरस्टार टॉम क्रूज को देखकर काफी खुश हैं। 87 वर्षीय दिग्गज गायिका ने सोशल मीडिया ऐप इंस्टाग्राम पर 'मिशन इम्पॉसिबल' स्टार टॉम क्रूज की एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह बर्मिंघम के आशा रेस्तरां के बाहर दिखाई दे रहे हैं। आशा भोंसले ने इंस्टाग्राम पर अपने पोस्ट में लिखा, ''मुझे यह सुनकर बहुत खुशी हुई कि श्रीमान टॉम क्रूज़ ने आशा रेस्तरां में अपने भोजन का आनंद लिया और मैं आशा करती हूं कि वह जल्द ही फिर से आएंगे।''

मर्दानी में मुझे धमाकेदार ब्रेक मिला था : ताहिर राज भसीन

बॉलीवुड के युवा और वर्सेटाइल एक्टर, ताहिर राज भसीन ने फ़िल्म मर्दानी में नेगेटिव लीड के रूप में अपने बेहतरीन परफॉर्मेंस के साथ बॉलीवुड में अपने सफ़र की धमाकेदार शुरुआत की। एक न्यूकमर के रूप में उन्हें अव्वल दर्जे की कलाकार, रानी मुखर्जी के साथ काम करने का मौका मिला, जो इस फ़िल्म में बड़े ही शातिर दिमाग वाले एक ह्यूमन ट्रैफिकर का पीछा करने वाली फायरब्रांड कॉप की भूमिका निभा रही थीं, फिर भी ताहिर ने एक विलेन के रूप में अपने रोमांचकारी प्रदर्शन से फ़िल्म पर अपनी पकड़ बनाने में कामयाबी पाई। फ़िल्म मर्दानी की सातवीं सालगिरह के मौके पर, ताहिर ने खुलासा किया कि यशराज फ़िल्म्स द्वारा प्रोड्यूस की गई इस फ़िल्म ने बॉलीवुड में एक एक्टर के रूप में उन्हें अपनी पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। ताहिर कहते हैं, मर्दानी में मुझे धमाकेदार ब्रेक मिला था। इसकी रिलीज़ के साथ ही मेरी ज़िंदगी पहले की तरह बिल्कुल नहीं रही, बल्कि पूरी तरह बदल गई। सच कहूं तो इस फ़िल्म की वजह से ही मुझे एक पावरफुल एक्टर के रूप में पहचान मिली है। मर्दानी मेरी डेब्यू फ़िल्म थी जिसने पुरानी सोच के बंधनों को तोड़ दिया, और इसकी सबसे बड़ी खासियत यह थी कि प्रदीप सरकार ने किस तरह वॉल्ट, एंटी-हीरो, के किरदार को बिल्कुल नए स्टाइल के साथ और अलग अंदाज में प्रस्तुत किया। लोगों को महसूस हुआ कि ऐसे लड़के को तो उन्होंने अपने आस-पड़ोस में ही देखा था; मर्दानी से लोगों को पड़ोस में रहने वाला बैड-बॉय मिला। ताहिर कहते हैं कि उन्होंने रानी से बहुत कुछ सीखा है, जिन्होंने उन्हें नॉक-आउट परफॉर्मेंस देने के लिए प्रेरित किया। एक्टर कहते हैं, रानी मुखर्जी के साथ स्क्रीन-स्पेस शेयर करना मेरे लिए सबसे बड़ा चैलेंज था और मुझे इसका रिवार्ड भी मिला। फ़िल्म में उनके जैसे बड़े स्टार के साथ काम करने का मतलब यही है कि आपको भी अपने गेम में सुधार करना होगा, और इसी वजह से मैंने पहले दिन से ही अव्वल दर्जे के परफॉर्मेंस के लिए तैयार रहने की जरूरत को समझ लिया। वे आगे कहते हैं, मुझे एक ऐसे स्टार के साथ काम करने का मौका मिला था जिन्हें फिल्मों में काम करता देखकर मैं बड़ा हुआ हूं, और सेट पर मैंने उनसे काफी कुछ सीखा। मैं समझ गया था कि जरूरत पड़ने पर किस तरह अपने काम पर फोकस किया जाता है, और जरूरत नहीं होने पर कोई व्यक्ति किस तरह उस ज़ोन से बाहर निकलकर रिलैक्स कर सकता है। मैंने अपनी कला और काम के प्रति सच्ची लगन के साथ-साथ वर्क-एथिक्स को भी देखा, जिसे मैं आज तक अपने साथ रखने की कोशिश करता हूं।

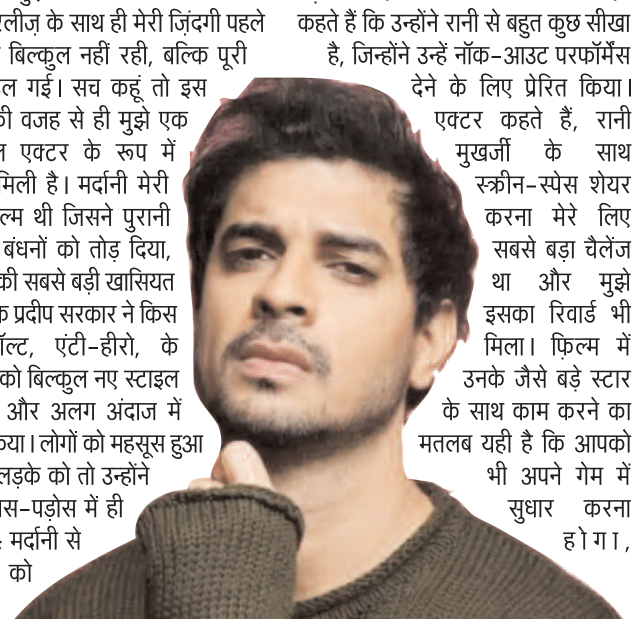

मर्दानी में नेगेटिव लीड के रूप में शुरुआत करने के बाद, ताहिर ने फोर्स-2 में एक बार फिर से विलेन के किरदार को जबरदस्त ढंग से पर्दे पर उतारा। छिछोरे जैसी अपनी अगली कुछ फिल्मों में लगातार चमकने के बाद, ताहिर को रोमांटिक भूमिका निभाने के लिए कास्ट किया गया। अब वह अपनी अगली फ़िल्म लूप लपेटा में तापसी पन्नू के साथ एक रोमांटिक हीरो की भूमिका निभा रहे हैं, और ये काली आँखें में श्वेता त्रिपाठी के साथ उनकी जोड़ी नज़र आएगी। इसके अलावा, कबीर खान की फ़िल्म 83 में ताहिर सुनील गावस्कर की भूमिका निभा रहे हैं! ताहिर कहते हैं, साल 2001 में मेरे करियर के रोमांटिक हीरो वाले चैप्टर की शुरुआत हुई है। फिलहाल मेरे दो बेहद एक्साइटिंग प्रोजेक्ट्स, लूप लपेटा और ये काली आँखें रिलीज़ के लिए तैयार हैं, और दर्शक पहली बार मुझे रोमांटिक ड्रामा फिल्मों में देखेंगे। मैं 90 के दशक की बॉलीवुड रोमांटिक फिल्मों को देखकर ही बड़ा हुआ हूं, और अपने इस नए अवतार में मैंने भी ऐसी ही कोशिश की है।

कोहली की निगाह बड़े स्कोर और भारत को अजेय बढ़त दिलाने पर

एजेंसी ■ लीड्स

कप्तान विराट कोहली लंबे समय से चली आ रही अपनी खराब फॉर्म से पार पाकर इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार से यहां शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में बड़ा स्कोर बनाने के साथ भारत को पांच मैचों की श्रृंखला में अजेय बढ़त दिलाने की कोशिश करेंगे। कोहली ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय शतक नवंबर 2019 में लगाया था। वह वर्तमान श्रृंखला में दो अवसरों पर 40 रन के पार पहुंचे लेकिन बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहे। उनसे हालांकि हमेशा बड़े स्कोर की उम्मीद की जाती है। उन्होंने पहले दो टेस्ट मैचों में ऑफ स्टंप से बाहर जाती गेंदों पर अपने विकेट गंवाए। ऐसे में उनसे हैंडिग्ले में इस तरह की गेंदों के सामने बेहतर तकनीकी के साथ बल्लेबाजी करने की उम्मीद की जा रही है। चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे की फॉर्म भी भारत के लिए चिंता का विषय है। इन दोनों ने हालांकि लार्ड्स टेस्ट के चौथे दिन लगभग 50 ओवर तक बल्लेबाजी करके फॉर्म में वापसी के संकेत दिए हैं। इससे मैच पांचवें दिन तक खिंच गया जिसके बाद तेज गेंदबाजों ने भारत को जीत दिलाई और श्रृंखला में।-0 से आगे किया। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और केएल राहुल का प्रदर्शन भारत के लिए बल्लेबाजी विभाग में सकारात्मक पहलू रहा है। इन दोनों ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अपने संयम और तकनीक का अच्छा नमूना पेश करके भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई। चोटिल मयंक अग्रवाल की जगह टीम में लिए गए राहुल प्रत्एक अगली पारी में अधिक आत्मविश्वास से भरे हुए दिखे और लगता है कि वह इस बात को लेकर अब सुनिश्चित हैं कि उन्हें कौन सी गेंद खेलनी है और कौन सी छोड़नी है जो कि इंग्लैंड की मुश्किल परिस्थितियों में महत्वपूर्ण होता है। रोहित भी बहुत अच्छी लय में दिख रहे हैं और उन्हें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि उन्हें अपना पसंदीदा पुल शॉट कब खेलना है क्योंकि श्रृंखला में दो अवसरों पर वह यह शॉट खेलकर आउट हुए। ऋषभ पंत अपने नैसर्गिक अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे हैं जबकि रविंद्र जडेजा ने भी सातवें नंबर पर बहुत अच्छी भूमिका निभाई है। यह कहा जा सकता है कि वह टीम में बाएं हाथ के स्पिनर के बजाय बल्लेबाज की भूमिका में अधिक खेल रहे हैं। हैडिंग्ले में परिस्थितियां तेज गेंदबाजों के अनुकूल रहने की संभावना है और भारत चार तेज गेंदबाजों के साथ उतर सकता है।

ऐसे में रविचंद्रन अश्विन के लिए अंतिम एकादश में फिर से जगह नहीं बन पाएगी। शार्दुल ठाकुर फिट हो गए हैं लेकिन लगता नहीं कि कोहली अपने तेज गेंदबाजी आक्रमण में किसी तरह का बदलाव करेंगे। पहले टेस्ट में नहीं खेल पाने वाले इशांत शर्मा ने लार्ड्स में प्रभावशाली गेंदबाजी की तथा इस अनुभवी तेज गेंदबाज को ठाकुर पर प्राथमिकता मिलने की संभावना है।

टेस्ट श्रृंखला

एंडरसन ने बुमराह के लगातार बाउंसर फेंकने पर कहा, ऐसा लगा वह मुझे आउट करने का प्रयास नहीं कर रहा था

एजेंसी ■ लीड्स

इंग्लैंड के सीनियर तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने संकेत दिए कि लार्ड्स में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह उन्हें आउट करने का प्रयास नहीं कर रहे थे। बुमराह ने लार्ड्स टेस्ट के दौरान एंडरसन को कई बाउंसर फेंके थे। बुमराह ने 10 गेंद का ओवर फेंका था जिसमें अधिकांश बाउंसर थी लेकिन कोई भी गेंद एंडरसन के हेलमेट पर नहीं लगी। इस घटना के बाद खिलाड़ियों के बीच शब्दों का आदान प्रदान भी हुआ और एंडरसन भारतीय गेंदबाज की रणनीति से खुश नहीं थे। एंडरसन ने बीबीसी टेलेंडर्स पोडकास्ट पर कहा, मैं थोड़ा सकते में था क्योंकि जो भी बल्लेबाज वापस आ रहा था वह कह रहा था कि पिच कितनी धीमी है। शॉर्ट गेंद फेंकने के लिए पिच काफी धीमी थी। जब मैं बल्लेबाजी के लिए आया तो जो रूट ने कहा कि बुमराह उतनी तेज गेंद नहीं फेंक रहा है जितनी वह सामान्य तौर पर फेंकता है। उन्होंने कहा, और इसके बाद, पहली गेंद 90 मील प्रति घंटा की रफ्तार से थी और सीधे लक्ष्य पर, क्या ऐसा नहीं था? मैंने ऐसा महसूस किया जैसा अपने करियर में कभी महसूस नहीं किया। मुझे लगा कि वह मुझे आउट करने का प्रयास ही नहीं कर रहा है। एंडरसन ने कहा, उसने ओवर फेंका, शायद 10, 11, 12 गेंद (10 गेंद) का। वह एक के बाद एक नोबॉल फेंक रहा था, शॉर्ट गेंदबाजी कर रहा था। मुझे लगता है कि उसने सिर्फ दो गेंद स्टंप पर फेंकी जिन्हें मैंने खेल लिया। अगले दिन इंग्लैंड के गेंदबाजों ने बुमराह के खिलाफ यही रणनीति अपनाई लेकिन भारतीय खिलाड़ी विरोधी टीम के गेंदबाजों का अच्छी तरह सामने करने में सफल रहा और मोहम्मद शमी के साथ नौवें विकेट की 89 रन की अटूट साझेदारी करके भारतीय जीत में अहम भूमिका निभाई।

वीनस विलियम्स शिकागो ओपन के पहले दौर में बाहर

एजेंसी ■ लास एंजिलिस

विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी और सात बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स डब्ल्यूटीए शिकागो ओपन महिला टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में ताइवान की सीह सु वेई से सीधे सेटों में हार गई। विश्व में 81वें रैंकिंग की सीह ने इस 41 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी को केवल 67 मिनट में 6-2, 6-3 से हराया। वीनस की यह इस सत्र में नौवीं हार है और वह विश्व रैंकिंग में 147वें स्थान पर खिसक गई हैं। तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता और शीर्ष वरीयता प्राप्त इलिना स्वितोलिना भी अगले दौर में पहुंच गई हैं। वह जब 5-7, 6-।, 2-0 से आगे चल रही थी तब उनकी फ्रांसीसी प्रतिद्वंद्वी क्लारा बुरेल मैच से हट गई थी। अन्य मैचों में क्रिस्टीना मलाडेनोविच ने जरीना डियास को 6-2, 7-6 (713) से हराया जबकि चेक गणराज्य की टेरेजा मार्टिनकोवा ने तीसरी वरीयता प्राप्त सोरेना क्रिस्टीया को 3-6, 6-3, 6-2 से उलटफेर का शिकार बनाया।

पोइल और कोरिया विन्सटन सलेम ओपन के दूसरे दौर में

एजेंसी

क्वालीफाईंग के दूसरे दौर में मैच प्वाइंट बचाने वाले लुकास पोइल ने एटीपी विन्सटन सलेम टेनिस टूर्नामेंट के मुख्य ड्रा के पहले दौर में आसान जीत दर्ज की। फ्रांस के इस खिलाड़ी ने क्वालीफाईंग के दूसरे दौर में अमेरिका के नोह रूबिन को संघर्षपूर्ण मैच में हराने के बाद सोमवार को यहां स्पेन के फेलिसियानो लोपेज को 6-।, 6-4 से हराकर मुख्य ड्रा के दूसरे दौर में प्रवेश किया। इस 27 वर्षीय क्वालीफायर का अगला मुकाबला तीसरी वरीयता प्राप्त डेनियल इवान्स से होगा जिन्हें पहले दौर में बाई मिली है।

अर्जेंटीना के फेडरिको कोरिया भी दूसरे दौर में पहुंचने में सफल रहे। उन्होंने दो घंटे 44 मिनट तक चले मैच में इटली के लोरेंजो मुसेटी को 6-4, 4-6, 6-4 से हराया।

ईसीबी के वरिष्ठ अधिकारी नौकरियों में कटौती से 2.1 मिलियन पाउंड साझा करेंगे

एजेंसी ■ लंदन

इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) टॉम हैरिसन उन अधिकारियों के समूह में शामिल हैं, जो पिछले साल कोविड-19 महामारी के कारण हुए वित्तीय नुकसान की वजह से की गई 62 नौकरियों की कटौती के बाद अनुमानित 2.1 मिलियन पाउंड (21.36 करोड़) रुपए का बोनस (बचत से हुई लाभ की रकम) साझा करेंगे। गार्जियन अखबार में प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक, ईसीबी के हालिया खातों से पता चलता है कि पांच साल की लंबी अवधि की प्रोत्साहन योजना, 2022 में नकद में तय होगी। गार्जियन को पता चला है कि बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैरिसन को स्वैच्छिक वेतन कटौती के बावजूद पिछले साल 512,000 पाउंड (लगभग 5.20 करोड़ रुपए) का भुगतान किया गया था। उनके अलावा द हंड्रेड (100 गेंद की प्रतियोगिता) के प्रबंध निदेशक संजय पटेल भी इसके प्राप्तकर्ताओं में से हैं। ईसीबी के अध्यक्ष इयान वाटमोर ने कहा कि अधिकारियों को कोविड-19 महामारी के दौरान उनके अच्छे काम के लिए पुरस्कृत किया जा रहा है। उन्होंने कहा, कई अन्य क्षेत्रों की तरह खेल संघों में भी अधिकारियों और नेतृत्व करने वालों के दीर्घकालिक प्रदर्शन को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कृत किया जाता रहा है। ईसीबी की नवीनतम खातों से पता चलता है कि 2022 में पंचवर्षीय दीर्घकालिक प्रोत्साहन योजना (एलटीआईपी) का निपटारा किया जाएगा। वाटमोर ने कहा, महामारी के दौरान ईसीबी के नेतृत्व का प्रदर्शन असाधारण रहा है और वे 2020 में स्वैच्छिक वेतन और प्रोत्साहन कटौती के लिए खुद ही आगे आए थे। एलटीआईपी 2017 में शुरू हुआ और जनवरी 2022 में परिपक्व होगा। अखबार ने बताया कि ईसीबी को 2020-21 में 16.5 मिलियन पाउंड का नुकसान हुआ।

कुंवर साहनी ने बैट से किया कमाल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

मैच के बेस्ट पर्फोमेरस कुंवर साहनीए ऋषि, दीपक व आहदरू एसण्डी। क्रिकेट अकादमी बनाम हिमालयन क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया। एस. डी क्रिकेट अकादमी ने 114 रन का एक विशाल स्कोर किया। जिसमे कुंवर साहनी ने 62' रन, दीपक ने 18 रनए ऋषि ने 17 रनए आहद ने 15 रन व सुजल ने 14 रन का सहयोग कियाण् हिमालयन क्रिकेट अकादमी की बोलिंग में गर्वितए चारू व शांतनु राणा ने 1.1 विकेट झटके. हिमालयन क्रिकेट अकादमी मात्र 73 रन पर पूरी टीम ढेर हो गई। एसण्डी. क्रिकेट अकादमी की बोलिंग में मुरली ने 2 विकेट व ऋषि ने 1 ले अपनी टीम को 41 रन से जीत दिलाई।

अफगानिस्तान के खिलाड़ियों की मानसिक स्थिति को देखते हुए पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला स्थगित

एजेंसी ■ काबुल

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के खिलाफ तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी है। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद खिलाड़ियों की मानसिक स्थिति और साजो सामान व तैयारियों से जुड़े मसलों के कारण यह फैसला किया गया है। अफगानिस्तान को तीन सितंबर से श्रीलंका में पाकिस्तान की मेजबानी करनी थी लेकिन अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सोमवार को पाकिस्तान में इस श्रृंखला का आयोजन करने पर सहमति जताई थी। लेकिन शाम तक घटनाक्रम बदल गया और एसीबी इस नतीजे पर पहुंचा कि फिलहाल श्रृंखला को स्थगित करना ही उचित रहेगा क्योंकि उसके खिलाड़ियों को देश के शासन में बदलाव के कारण तैयारियों के लिए पर्याप्त समय नहीं मिला है। काबुल हवाई अड्डे से उड़ानें भी निलंबित हैं। एसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हामिद शिनवारी ने पीटीआई से कहा, खिलाड़ियों की मानसिक स्थिति सहित सभी परिस्थितियों पर गौर करने के बाद हमने श्रृंखला स्थगित कर दी है। शिनवारी ने पहले कहा था कि उन्हें नहीं लगता कि तालिबान के शासन में क्रिकेट को किसी तरह का नुकसान होगा क्योंकि वे इस खेल का समर्थन करते हैं। दोनों बोर्ड अब 2022 में इस श्रृंखला को आयोजित करने का प्रयास करेंगे।

महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को अफगानिस्तान से निकाला गया

एजेंसी ■ काबुल

अफगानिस्तान की महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम की सदस्यों को मंगलवार को काबुल से निकाला गया। महिला फुटबॉल टीम की सदस्य 75 से अधिक लोगों के उस समूह में शामिल थीं जिसने मंगलवार को काबुल से विमान में उड़ान भरी। फुटबॉल खिलाड़ियों की वैश्विक यूनियन फिफप्रो ने जितना संभव हो उतने खिलाड़ियों, टीम अधिकारियों और उनके परिवार के सदस्यों को निकालने में मदद के लिए आस्ट्रेलियाई सरकार को धन्यवाद दिया है। अफगानिस्तान से और अधिक लोगों को निकालने का काम जारी है। यूनियन ने बयान में कहा, ए युवा महिलाएं, खिलाड़ी और कार्यकर्ता दोनों के रूप में खतरे में थी और दुनिया भर में इनके साथियों की ओर से इनकी मदद को आगे आने के लिए हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय को धन्यवाद देते हैं। अफगानिस्तान की महिला फुटबॉल टीम का गठन 2007 में किया गया था। तालिबान के शासनकाल में महिलाओं को खेल खेलने की स्वीकृति नहीं थी और ऐसा करने को अवज्ञा के रूप देखा जाता था। खिलाड़ियों को इस महीने सोशल मीडिया पोस्ट और टीम के साथ उनकी तस्वीरें हटाने को कहा गया था जिससे कि अमेरिका के समर्थन वाली अफगानिस्तानी सरकार के गिरने के बाद उनके खिलाफ कार्वाई से बचा जा सके। टीम की पूर्व कप्तान खालिदा पोपल ने कहा, पिछले कुछ दिन काफी तनावपूर्ण रहे लेकिन आज हमने महत्वपूर्ण जीत हासिल की है।

एक नजर

एंटोनियो के रिकॉर्ड गोल से वेस्ट हैम की लगातार दूसरी जीत

लंदन। मिचेल एंटोनियो के रिकार्ड गोल की मदद से वेस्ट हैम ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में सोमवार को यहां ओलंपिक स्टेडियम में 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे लीस्टर सिटी को 4-। से हराया। एंटोनियो ने दो गोल किए जिससे वह वेस्ट हैम की तरफ से प्रीमियर लीग में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उनके नाम पर अब 49 गोल दर्ज हैं। एंटोनियो ने पहला गोल 80वें मिनट में किया जिससे वेस्ट हैम ने 3-। से बढ़त बनाई। इससे उन्होंने पाओलो डि कैनियो के 47 गोल के पिछले रिकार्ड को तोड़ा। इसके बाद उन्होंने 84वें मिनट में दूसरा गोल किया। पाउलो फोरनैल्स ने 26वें मिनट में वेस्ट हैम की तरफ से पहला जबकि सैद बेनरामा ने 56वें मिनट में दूसरा गोल किया। लीस्टर की तरफ से एकमात्र गोल योरी टीलमैन्स ने 69वें मिनट में किया। अयोज पेरेज को 40वें मिनट में लाल कार्ड मिलने के कारण लीस्टर को दूसरे हाफ में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा।

लाहिड़ी नार्दर्न ट्रस्ट में संयुक्त 56वे स्थान पर रहे

न्यू जर्सी (अमेरिका)। भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी ने चौथे और अंतिम दौर में एक अंडर 70 का स्कोर बनाया जिससे वह नार्दन ट्रस्ट गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त 56वें स्थान पर रहे। इससे लाहिड़ी की इस सप्ताह होने वाले फेडएक्स कप प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदें भी समाप्त हो गई। लाहिड़ी का कुल स्कोर पांच अंडर रहा। उन्हें फेडएक्स प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए शीर्ष 10 में जगह बनाने की जरूरत थी। तूफान के कारण अंतिम दौर का खेल सोमवार तक स्थगित कर दिया गया था। लाहिड़ी ने पहले छह होल में पार स्कोर बनाने के बाद सातवें होल में बोगी लेकिन आठवें होल में वह बर्डी बनाने में सफल रहे। उनके लिए अंतिम नौ होल का खेल उतार चढ़ाव वाला रहा। इस भारतीय गोल्फर ने 13वें होल में बर्डी बनाई लेकिन 15वें होल में बोगी कर बैठे। उन्होंने 16वें होल में बर्डी बनाई लेकिन 17वें होल में फिर से उन्होंने शॉट गंवा दिया। उन्होंने आखिर में 18वें होल में बर्डी के साथ सप्ताह का अंत किया। अमेरिका के टोनी फिनाउ ने आस्ट्रेलिया के कैमरन स्मिथ को प्लेऑफ में हराकर यह प्रतियोगिता जीती।

लामेला ने फिर गोल दागा, सेविला की लगातार दूसरी जीत

मैड्रिड। एरिक एमिला के इंजुरी टाइम में किए गए गोल की मदद से सेविला ने गेटाफे को।-0 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। सेविला के अलावा केवल एटलेटिको मैड्रिड ही अपने पहले दोनों मैच जीतने में सफल रहा। सेविला की दोनों जीत में टीम से नए जुड़े खिलाड़ी लामेला का योगदान अहम रहा। उन्होंने रायो वालेकानो के खिलाफ 3-0 से जीत में भी दो गोल किए थे।

मुक्केबाजी भारत के सात मुक्केबाज सोमवार को क्वार्टर फाइनल में उतरे जिनमें से चार ने जीत दर्ज की।

भारत के चार मुक्केबाज एशियाई युवा चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत के चार मुक्केबाजों ने दुबई में चल रही एशियाई युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस महाद्वीपीय चैंपियनशिप का आयोजन पहली बार युवा और जूनियर वर्ग में एक साथ किया जा रहा है। भारत के सात मुक्केबाज सोमवार को क्वार्टर फाइनल में उतरे जिनमें से चार ने जीत दर्ज की। जयदीप रावत (71 किग्रा) ने दबदबे वाला प्रदर्शन किया और संयुक्त अरब अमीरात के अपने प्रतिद्वंद्वी मोहम्मद आइसा को दूसरे राउंड में ही बाहर का रास्ता दिखाया। वंशज (63.5 किग्रा) ने ताजिकिस्तान के मखकमोव डोवुड के खिलाफ 5-0 से जीत हासिल की, जबकि दक्ष सिंह (67 किग्रा) ने किर्गिस्तान के एल्डर तुर्दुबाएव को 4-। से हराया। एक अन्य मुकाबले में सुरेश विश्वनाथ (48 किग्रा) ने किर्गिस्तान के अमानतुर झोलबोरोसव के खिलाफ 5-0 से जीत दर्ज की।

> ❍ एक अन्य मुकाबले में सुरेश विश्वनाथ (48 किग्रा) ने किर्गिस्तान के अमानतुर झोलबोरोसव के खिलाफ 5-0 से जीत दर्ज की।

विक्टर सैखोम सिंह (54 किग्रा) किर्गिस्तान के डरबेक तिलवाल्डिव से 2-3 से जबकि विजय सिंह (57 किग्रा) ताजिकिस्तान के मोरोदोव अबुबकर से 0-3 से हार गए। रवींद्र सिंह को ताजिकिस्तान के योकूबोव अब्दुर्हीम ने 3-2 से हराया। भारत ने ड्रा के दिन ही अपने लिए 20 पदक पक्के कर दिए थे। कोविड-19 के कारण यात्रा प्रतिबंधों को देखते हुए कई देश इस प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले रहे हैं। युवा वर्ग के स्वर्ण पदक विजेता को 6000 डॉलर, रजत पदक विजेता को 3000 डॉलर और कांस्य पदक विजेता को 2000 डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी। जूनियर वर्ग में यह राशि क्रमशः 4000, 2000 और 1000 डॉलर है।

पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को 329 रन का लक्ष्य दिया

एजेंसी ■ किंगस्टन

वेस्टइंडीज ने 329 रन के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक एक विकेट पर 49 रन बनाए। बारिश से प्रभावित मैच के चौथे दिन पाकिस्तान का दबदबा रहा। उसने पहले वेस्टइंडीज को पहली पारी में 150 रन पर आउट किया और फिर अपनी दूसरी पारी में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करके 6.43 रन प्रति ओवर की दर से रन जुटाए। अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 302 रन पर समाप्त करने वाले पाकिस्तान ने दूसरी पारी छह विकेट पर 176 रन पर समाप्त घोषित करके वेस्टइंडीज के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। वेस्टइंडीज ने सजग शुरुआत की लेकिन कीरेन पावेल (23) के रन आउट होने से उसे झटका लगा। स्टंप उखड़ने के समय कप्तान क्रेग ब्रेथवेट 17 और नाइटवाचमैन अलजारी जोसेफ आठ रन पर खेल रहे थे। वेस्टइंडीज अभी लक्ष्य से 280 रन दूर है जबकि पाकिस्तान श्रृंखला।-। से बराबर करने के लिए आखिरी दिन बाकी बचे नौ विकेट निकालने की कोशिश करेगा।

वेस्टइंडीज ने सुबह अपनी पहली पारी तीन विकेट पर 39 रन से आगे बढ़ाई लेकिन तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की घातक गेंदबाजी के सामने उसका कोई भी बल्लेबाज टिककर नहीं खेल पाया।